हिन्दी दैनिक

# पथ प्रवाह

2 RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

वर्ष:4 अंक:244 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, सोमवार, 08 सितंबर 2025


# ऐतिहासिक स्वर्णिम क्षण: भारत ने एशिया कप 2025 जीतकर फिर लिखा गौरव का अध्याय

**नई दिल्ली/हरिद्वार, 7 सितंबर 2025**

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशिया कप 2025 में शानदार और प्रचंड प्रदर्शन करते हुए दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर चौथी बार एशियाई खिताब पर कब्जा किया। यह जीत सिर्फ खिलाड़ियों की मेहनत की नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के सपनों और भावनाओं की जीत भी है।

### फाइनल मुकाबले की रोमांचक झलकियाँ

प्रारंभिक धमाकाः मैच की शुरुआत में ही सुख़जीत सिंह ने शानदार गोल कर भारत को बढ़त दिलाई। इस गोल ने भारतीय टीम को आत्मविश्वास और दर्शकों को उत्साह का तूफान दे दिया।

### मुकाबले को आसमान पर ले गई

दिलप्रीत सिंह ने अपनी तेज़ी और सटीक शॉट से दो गोल किए, जबकि अमित रोहिदास ने अंतिम क्वार्टर में चौंकाने वाला गोल दागकर स्कोर 4-1 तक पहुँचाया। मैदान में टीम इंडिया का सामूहिक जज़्बा और अनुशासन साफ झलक रहा था।

### विश्व कप की योग्यता सुनिश्चित

इस जीत के साथ ही भारत ने 2026 के खढ्ढ॥ हॉकी वर्ल्ड कप के लिए सीधी योग्यता भी हासिल कर ली, जिससे भारतीय हॉकी प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई।

### भारतीय हॉकी का गौरवशाली इतिहास

भारत ने एशिया कप में अब तक कुल चार बार खिताब जीता - 2003, 2007, 2017 और अब 2025। भारतीय हॉकी की यह परंपरा न केवल एशियाई स्तर पर बल्कि विश्व स्तर पर भी देश का नाम रौशन करती रही है। टीम इंडिया की यह जीत विश्व हॉकी मंच पर भारतीय हॉकी की पुनरुत्थान यात्रा का प्रतीक है।

### भारतीय हॉकी का भविष्य उज्ज्वल

विशेषज्ञों के अनुसार, इस टीम का युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संतुलन, तकनीकी सुधार और मजबूत मानसिकता भारतीय हॉकी के भविष्य को और भी मजबूत और चमकदार बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण है। एशिया कप की यह जीत न केवल गौरव का पल है, बल्कि आने वाले वर्षों में भारत की हॉकी को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाए रखने का आधार भी है।

## हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत का अभिभावकीय संदेश

हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने टीम इंडिया की इस शानदार जीत पर हार्दिक बधाई दी यह विजय केवल खिलाड़ियों की नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों की है। आपके अनुशासन, जज़्बा और राष्ट्रभक्ति ने तिरंगे को नयी ऊँचाइयों पर पहुँचा दिया है। यह हमारी खेल क्षेत्र की स्वर्णिम विरासत का पुनरुत्थान है। उन्होंने कहा कि इस सफलता से आने वाली पीढ़ियाँ प्रेरित होंगी और देश को खेल में अनुशासन, समर्पण और उत्कृष्टता के नए मानदंड प्राप्त होंगे।

# प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'संसद कार्यशाला' में दिखाई कार्यकर्ता भावना, अंतिम पंक्ति में बैठकर दी प्रेरणा

**नवीन चौहान, पथ प्रवाह**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर साबित किया कि सच्चा नेतृत्व पद या स्थान से नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और विनम्रता से महान बनता है।

संसद कार्यशाला% में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतिम पंक्ति में बैठकर स्वयं को एक सामान्य कार्यकर्ता मानने का संदेश दिया, जो भाजपा की कार्यकर्ता संस्कृति का सर्वोत्तम उदाहरण है।

### प्रधानमंत्री की विनम्रता ने दिल जीते

कार्यक्रम के दौरान जब सभी सांसद और कार्यकर्ता कार्यशाला में उपस्थित थे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पीछे की पंक्ति में बैठना चुना, जिससे स्पष्ट संदेश गया कि कोई पद चाहे कितना भी ऊँचा हो, यदि व्यक्ति कार्यकर्ता भावना के साथ जुड़ा हो तो जनता के हृदय में उसका स्थान सबसे ऊपर होता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, यह कदम सभी कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री की यह विनम्रता और सहज व्यवहार भाजपा की लोकतांत्रिक परंपरा और संगठन की मजबूत कार्यकर्ता संस्कृति को दर्शाता है।

### भाजपा की कार्यकर्ता संस्कृति और प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण

भाजपा की असली शक्ति उसके सक्रिय और समर्पित कार्यकर्ताओं में निहित है। प्रधानमंत्री मोदी खुद को सबसे पहले एक कार्यकर्ता मानते हैं, और उनके इस व्यवहार से पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं में नए उत्साह और प्रेरणा का संचार होता है। भाजपा के नेता और कार्यकर्ता इस दृश्य को राष्ट्र सेवा, अनुशासन और संगठन के प्रति समर्पण का जीवंत उदाहरण मानते हैं।

### नेतृत्व का मूल संदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह कदम साफ संदेश देता है कि सच्चा नेतृत्व पद या पदनाम से नहीं, बल्कि जनता के लिए सेवा और विनम्रता से ही बनता है। प्रधानमंत्री होते हुए भी जब कोई स्वयं को कार्यकर्ता मानता है, तो वह सिर्फ पद नहीं, जनमानस के हृदय में स्थान प्राप्त करता है। प्रधानमंत्री मोदी की यह कार्यकर्ता भावना भाजपा संगठन के सभी स्तरों में प्रेरणा का प्रतीक बनी हुई है।

# मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने जैन समाज सम्मेलन में लिया आशीर्वाद, दिए विकास व सामाजिक एकता के संदेश

**पथ प्रवाह, संवाददाता**

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी रविवार को श्री दिगम्बर जैन पंचायती मंदिर में आयोजित जैन समाज सम्मेलन में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने जैन धर्मगुरुओं का आशीर्वाद लिया और समाज को संबोधित करते हुए कहा कि आचार्य सौरभ सागर मुनि जी महाराज का जीवन संयम, त्याग और अहिंसा के अद्वितीय आदर्शों का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सौरभांचल तीर्थ और जीवन आशा अस्पताल उनके दूरदर्शी नेतृत्व और करुणा के उत्कृष्ट उदाहरण हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि जैन धर्म ने पूरी दुनिया को यह संदेश दिया है कि अहिंसा ही सच्ची वीरता है। उन्होंने जैन समाज की संगठन क्षमता और सामाजिक एकता की सराहना करते हुए कहा कि यह पूरे समाज के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार उत्तराखंड के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में उत्तराखंड देश का पहला राज्य बना है जिसने समान नागरिक संहिता लागू की है। साथ ही नकल विरोधी कानून के बाद से अब तक 25 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी प्राप्त हुई है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड की डेमोग्राफी संरक्षित रखना सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए धर्मांतरण विरोधी और दंगा विरोधी कानून लागू किए गए हैं। प्रदेश में 9 हजार एकड़ से अधिक सरकारी भूमि को अवैध कब्जों से मुक्त कराया गया है। उन्होंने कहा कि जैन कल्याण बोर्ड के गठन के सुझाव पर सरकार गंभीरता से विचार करेगी और विश्वास व्यक्त किया कि जैन समाज आगे भी प्रदेश के समग्र विकास में सहयोग करता रहेगा।

कार्यक्रम में रविंद्र मुनि जी महाराज, श्री राजेश मुनि जी महाराज, विधायक विनोद चमोली, खजानादास, पद्मश्री डॉ. आर.के. जैन सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

## माताजी का सम्पूर्ण जीवन जीव मात्र के कल्याण के लिए समर्पित रहा: शैफाली पण्ड्या

**ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह**

हरिद्वार। गायत्री परिवार की संस्थापिका वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा की 31वीं पुण्यतिथि के अवसर पर हरिद्वार में विशेष श्रद्धांजलि सभा और विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महिला मंडल की प्रमुख शैफाली पण्ड्या ने भावनात्मक संबोधन देते हुए कहा कि वंदनीया माताजी का सम्पूर्ण जीवन जीव मात्र के कल्याण के लिए समर्पित रहा। वे केवल एक व्यक्तित्व नहीं बल्कि समाज की दिशा बदलने वाली शक्ति थीं।

पण्ड्या ने कहा कि माताजी ने नारी सशक्तिकरण की अलख जगाई। वे प्रत्येक नारी को शक्ति स्वरूपा मानती थीं और उनके भीतर छिपी असीम संभावनाओं को उजागर करने के लिए सतत प्रयास करती रहीं। माताजी का विश्वास था कि जब नारी जागृत होगी तो समाज और राष्ट्र नई ऊँचाइयों को प्राप्त करेगा। त्याग और करुणा की प्रतिमूर्ति माताजी ने कभी अपने व्यक्तिगत लाभ की चिंता नहीं की, उनका जीवन समाज सेवा के लिए ही समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि माताजी का जीवन हम सबके लिए अनुकरणीय है। वे सेवा, साधना और समर्पण की जीवंत प्रेरणा रही हैं। वे हमेशा प्रेरित करती थीं कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन से कुछ समय अवश्य ही जनकल्याण के कार्यों के लिए निकाले। यही भावना आज करोड़ों लोगों को अखिल विश्व गायत्री परिवार से जोड़ रही है।

पण्ड्या ने कहा कि माताजी के स्नेह, मार्गदर्शन और दूरदृष्टि का ही परिणाम है कि गायत्री परिवार आज एक विशाल वटवृक्ष का रूप ले चुका है। देश और दुनिया में करोड़ों लोग माताजी की शिक्षाओं से शांति, सद्भाव और जीवन मूल्यों की अनुभूति कर रहे हैं। माताजी ने समाज में सांस्कृतिक जागरूकता और आध्यात्मिक उत्थान की नई धारा प्रवाहित की।

सभा के दौरान श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। वातावरण माताजी के भजनों और स्मृतियों से गूंजता रहा। सभी ने श्रद्धापूर्वक उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए और उनके आदर्शों को जीवन में उतारने का संकल्प लिया।

सांस्कृतिक संध्या में बहनों ने भक्ति गीत, भजन और लघु नाटिका प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। अंत में महिला मंडल की प्रमुख ने सभी से आह्वान किया कि वे माताजी के बताए हुए मार्ग का अनुसरण करें और अपने जीवन को समाज व राष्ट्रहित में सार्थक बनाएं। उन्होंने कहा कि यही माताजी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

# गायत्री परिवार की संस्थापिका माताजी की 31वीं पुण्यतिथि पर हुए विविध आयोजन

### सांस्कृतिक संध्या और महिला जागरण रैली बनी आकर्षण का केंद्र

**हरिद्वार।** गायत्री परिवार की संस्थापिका व नारी जागरण की प्रेरणास्त्रोत वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा जी की 31वीं पुण्यतिथि पर रविवार को शांतिकुंज सहित देश-विदेश के प्रज्ञा संस्थानों में विविध कार्यक्रमों का आयोजन भव्यता एवं श्रद्धा के साथ किया गया। सुबह से ही श्रद्धालुओं का शांतिकुंज आगमन होता रहा और दिनभर श्रद्धांजलि सभाओं, प्रार्थनाओं व सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का क्रम चलता रहा। पुण्यतिथि को 'महालयारंभ' के रूप में मनाया गया।

सायंकालीन सांस्कृतिक संध्या में शांतिकुंज और देवसंस्कृति विश्वविद्यालय की बहिनों ने भजन, गीत, लघु नाटिका और बांसुरी, तबला, सितार जैसे प्राचीन वाद्ययंत्रों की मनोहारी प्रस्तुतियाँ देकर माताजी के विचारों को जीवंत कर दिया। प्रस्तुतियों ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया और पूरा वातावरण माताजी की स्मृतियों से सराबोर हो गया।

इस अवसर पर महिला जागरण रैली का आयोजन भी किया गया,

जिसमें हजारों बहिनों ने नारी जागरण और संस्कृति का उत्थान जैसे नारों के साथ नगर भ्रमण किया। रैली शांतिकुंज से प्रारंभ होकर देवसंस्कृति विश्वविद्यालय परिसर से होती हुई पुनः शांतिकुंज में संपन्न हुई। रैली में बहिनों का उत्साह देखते ही बनता था। वहीं भाइयों की टीम ने यातायात और सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी संभालते हुए आयोजन को सफल बनाया।

अखिल विश्व गायत्री परिवार के प्रमुखद्वय श्रद्धेय डॉ. प्रणव पण्ड्या और श्रद्धेया शैलदीदी ने अपने संदेश में कहा कि माताजी का जीवन मूल्य, त्याग और नारी उत्थान के प्रति समर्पण आज भी हम सभी के लिए पथप्रदर्शक है। माताजी का यह प्रेरक वाक्य—÷मेरे पास आने वाले प्रत्येक व्यक्ति बेटा-बेटी समान है, मेरा घर सबका मायका है÷—आज भी गायत्री परिवार के परिजनों को मार्गदर्शन देता है। उन्होंने कहा कि माताजी ने जिस 21वीं सदी को नारी सदी बताया था, उसकी झलक आज समाज में स्पष्ट दिखाई दे रही है। पुण्यतिथि कार्यक्रम का समापन सामूहिक प्रार्थना और संकल्प के साथ हुआ। उपस्थित जनसमुदाय ने माताजी के दिखाए मार्ग पर चलने और समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का संकल्प लिया। सायंकालीन सभा में बहिनों के संचालन में गायत्री दीपमहायज्ञ का आयोजन हुआ, जिसने पूरे वातावरण को दिव्यता और श्रद्धा से परिपूर्ण कर दिया।

## एक नजर

### अनिसिमोवा को मात देकर सबालेंका ने जीता यूएस ओपन का खिताब

न्यूयॉर्क। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने फ्लशिंग मीडोज के हार्ड कोर्ट पर अपना दबदबा कायम करते हुए अमांडा अनिसिमोवा को हराकर लगातार दूसरी बार यूएस ओपन का खिताब जीता। शनिवार रात खेले गये मुकाबले में बेलारुस की सबालेंका ने फाइनल मुकाबले में अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 7-6(3) से हराकर अपने खिताब को बरकरार रखा। इस जीत के साथ बेलारूसी खिलाड़ी सबालेंका 2014 में सेरेना विलियम्स के बाद न्यूयॉर्क में लगातार दो एकल खिताब जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गईं। यह उनके करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम खिताब है। 27 वर्षीय शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सबालेंका इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन और रोलैंड गैरोस दोनों के फाइनल में हारने के बाद दबाव में चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में मैच में उतरी थीं। लेकिन उन्होंने मौके का फायदा उठाया और अथक शक्ति और संयम का प्रदर्शन करते हुए 2025 की अपनी पहली और अपने करियर की चौथी बड़ी ट्रॉफी जीती। यह जीत ग्रैंड स्लैम स्तर पर उनकी 100वीं मुख्य ड्रॉ मैच जीत और इस सीजन की उनकी 56वीं जीत भी है। बेसलाइन से सबालेंका के जोरदार प्रहारों का मुकाबला करते हुए, 23 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने गत चैंपियन को शुरुआत में ही परेशान किया, लेकिन महत्वपूर्ण मौकों पर की गई गलतियां उसके लिए महंगी साबित हुईं। शुरुआती सेट में पांच बार सर्विस ब्रेक हुई, लेकिन सबालेंका ने 5-3 के स्कोर पर अपनी लय बनाए रखी और सेट को केवल 38 मिनट में ही समाप्त कर दिया, क्योंकि अनिसिमोवा का फोरहैंड बाहर चला गया था। दूसरे सेट में अमेरिकी खिलाड़ी ने वापसी की और 5-4 के स्कोर पर सबालेंका की सर्विस के दौरान लड़खड़ाने का फायदा उठाया, जिससे उनका नियमित ओवरहेड नेट में चला गया। इससे अनिसिमोवा ने सर्विस ब्रेक की और टाईब्रेकर कराया। हालांकि, सबालेंका ने वह परिपक्वता दिखाई जिसका श्रेय वह अक्सर पिछली निराशाओं से सीखे गए सबक को देती हैं और मैच को अपने तीसरे चैंपियनशिप पॉइंट पर पहुंचाया। खिताब जीतने के बाद सबालेंका कहा, जब आप सबसे बड़े टूर्नामेंटों में से एक का फाइनल हार जाते हैं और तुरंत मीडिया के पास जाते हैं, तो आप निराश और भावुक हो जाते हैं। उन पलों ने मुझे और भी अधिक मजबूत बनना सिखाया। यह एक कठिन सबक था, लेकिन इसने मुझे कई मायनों में मदद की।÷

### मोदी पर्यावरण संरक्षण को बना रहे है जन आंदोलन-पूनावाला

नयी दिल्ली। ऐसी दुनिया में जहां एक तरफ जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभाव स्पष्ट हैं और दूसरी तरफ जलवायु परिवर्तन से इनकार करने वाली गैर-जिम्मेदाराना और अपरिपक्व सोच मौजूद है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को ऐसी आशा की किरण बनाया है, जो पर्यावरण संरक्षण को विकसित भारत 2047 के रोडमैप में शामिल कर रहा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने अपने एक लेख में कहा कि श्री मोदी का पर्यावरण के प्रति जुनून गुजरात में उनके मुख्यमंत्री काल से शुरू हुआ जहां उन्होंने 2009 में भारत का पहला जलवायु परिवर्तन विभाग स्थापित किया। यह उस समय एक अग्रणी कदम था जब वैश्विक जलवायु चर्चा प्रारंभिक थी और इनकार आम था। उनकी ज्योतिग्राम योजना ने गांवों में 24 घंटे एवं सात दिनों बिजली पहुंचाई, जिससे डीजल का उपयोग कम हुआ और नवीकरणीय ऊर्जा की नींव रखी गई। चारणका सोलर पार्क ने गुजरात को सौर ऊर्जा का पावरहाउस बनाया।

उन्होंने लिखा है कि पीएम मोदी की पुस्तक, सुविधाजनक कार्रवाई-जलवायु परिवर्तन पर गुजरात की प्रतिक्रिया (2011) में नहर के ऊपर सौर पैनल और टिकाऊ शहरी नियोजन जैसे नवाचारों का वर्णन है। यह प्रतिबद्धता, जो मुख्यमंत्री मोदी से प्रधानमंत्री मोदी बनने के बाद और मजबूत हुई, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पंच परिवर्तन कार्यक्रम के साथ पूरी तरह से संरेखित है, जिसमें पर्यावरण को सामाजिक परिवर्तन के पांच स्तंभों में से एक के रूप में सूचीबद्ध किया गया है, जो टिकाऊ जीवन और समुदाय-आधारित संरक्षण पर जोर देता है। पीएम मोदी को प्रकृति को संस्कृति से जोड़ने और टिकाऊ भविष्य के लिए रोडमैप बनाने का श्रेय दिया जा सकता है।

उन्होंने बताया कि श्री मोदी के नेतृत्व में भारत की जलवायु उपलब्धियां उल्लेखनीय हैं। सीओपी26 (2021) में उन्होंने पंचामृत प्रतिज्ञा की घोषणा की 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा, 50 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा, एक अरब टन कार्बन उत्सर्जन में कटौती, 2005 के स्तर से 45 प्रतिशत कार्बन तीव्रता में कमी, और 2070 तक नेट-जीरो। जून 2025 तक भारत ने 50 प्रतिशत गैर-जीवाश्म ईंधन लक्ष्य हासिल कर लिया। 2023 तक उत्सर्जन तीव्रता 2005 के स्तर से 33 प्रतिशत कम हो गई, जो 2030 का एक और लक्ष्य पार करता है। ये मील के पत्थर विकास और हरित जिम्मेदारी के बीच दुर्लभ संतुलन को दर्शाते हैं जबकि कुछ विकसित राष्ट्र 'ग्रीड' को 'ग्रीन' पर प्राथमिकता देते हैं।

# विधायक आदेश चौहान ने किया शक्तिनगर कालोनी में इंटरलॉकिंग सड़क का लोकार्पण

पथ प्रवाह, हरिद्वार। ग्राम पंचायत सुल्तानपुर मजरी की शक्तिनगर कॉलोनी में इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्य का लोकार्पण रानीपुर विधायक आदेश चौहान ने किया। ग्राम पंचायत सुल्तानपुर मजरी में विकास कार्यों को गति देते हुए ग्राम प्रधान मीनाक्षी पत्नी मोहित चौहान के प्रयासों से इंटरलॉकिंग सड़क निर्माण का कार्य पूरा किया गया। लोकार्पण कार्यक्रम में पहुंचने पर क्षेत्रवासियों ने बड़ी संख्या में विधायक आदेश चौहान का माला पहनाकर और फूलों की वर्षा कर स्वागत किया।

इस अवसर पर विधायक आदेश चौहान ने कहा कि हमारी सरकार गांवों के चौमुखी विकास के लिए संकल्पबद्ध है और बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं।जिससे ग्रामीणों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। उन्होंने ग्राम प्रधान मीनाक्षी की सराहना करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत में विकास की नई इबारत लिखी जा रही है, जो कार्य बरसो से कभी नहीं हुए वह इस कार्यकाल में सम्पन्न हो रहे हैं। सुल्तानपुर मंजरी में विकास कार्य बड़ी तेजी से हो रहे है। उन्होंने कहा कि अच्छे जनप्रतिनिधि होने का लाभ जनता को पूर्ण रूप से मिलता ही है।

ग्राम प्रधान प्रतिनिधि, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय और भाजपा युवा मोर्चा के नेता मोहित चौहान ने विधायक आदेश चौहान का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पंचायत के विकास कार्यों में विधायक, जिला पंचायत सदस्य और ग्रामीणों का सहयोग सराहनीय है। उन्होंने बताया कि इस सड़क के बन जाने से ग्रामीणों को बरसात के दिनों में परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसके निर्माण से गांव का सौंदर्य भी बढ़ेगा।

इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि चमन चौहान ने कहा कि ग्रामसभा में यह सड़क बनने पर सैकड़ों लोगों को इसका लाभ मिलेगा। पहले भी बड़ी संख्या में विकास कार्य हो चुके है और आगे आने वाले समय में भी ग्राम पंचायत और जिला पंचायत के माध्यम से विकास कार्य होंगे। जो प्रस्तावित हो रखे है उनका आम जन को लाभ मिलेगा।

# नवनियुक्त जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारी सरकार और जनता के बीच सेतु का काम करें: मदन कौशिक

## नगर विधायक मदन कौशिक के कार्यालय पर नवनियुक्त जिला कार्यकारिणी का स्वागत

पथ प्रवाह हरिद्वार, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं हरिद्वार विधायक मदन कौशिक के कार्यालय पर रविवार को भाजपा की नवनियुक्त जिला कार्यकारिणी का स्वागत किया गया। इस दौरान हरिद्वार नगर निगम की महापौर किरण जैसल भी मौजूद रही।

इस अवसर पर विधायक मदन कौशिक ने कहा कि नवनियुक्त सभी जिला पदाधिकरियों को उन्हें पार्टी संगठन की ओर से मिली नई जिम्मेदारी के लिए बहुत बहुत बधाई। कहा कि सभी पदाधिकारी सरकार और जनता के बीच सेतु का काम करें। मिशन 2027 को लेकर तैयारी में अभी से जुट जाएं। मिशन 2027 को फतह करना ही इस टीम का लक्ष्य और चुनौती रहेगी। भाजपा सरकार और संगठन की रीति नीतियों को साथ जनहित में काम कर संगठन को मजबूत करने का कार्य नई कार्यकारिणी के पदाधिकारी करेंगे।

भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष शर्मा के अलावा नवनियुक्त जिला महामंत्री हीरा सिंह बिष्ट, संजीव चौधरी, जिला उपाध्यक्ष लव शर्मा, संदीप अग्रवाल, जिला मंत्री रिशु चौहान, विनीत जोली, पारुल चौहान, जिला कोषाध्यक्ष अरविंद कुशवाहा, जिला सोशल मीडिया प्रभारी मनोज शर्मा, जिला सह कार्यालय प्रभारी लक्ष्मण सिंह नागर, जिला आईटी सहसंयोजक उमेश पाठक सहित अन्य पदाधिकारी भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के अंत में जिलाध्यक्ष आशुतोष शर्मा और पूर्व जिला महामंत्री विकास तिवारी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर दीपांशु विद्यार्थी, राजकुमार अरोड़ा, पार्षद राजेश शर्मा, गौरव वर्मा, राहुल अग्रवाल, चित्र कुमार, हर्षित त्रिपाठी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

# पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने नई जिला कार्यकारिणी के पदाधिकारियों का किया स्वागत

**पथ प्रवाह हरिद्वार,**

हरिद्वार में भाजपा की जिला कार्यकारिणी के नवनियुक्त पदाधिकारियों का पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने रविवार को मालाएं पहनाकर स्वागत किया। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों से कहा कि पार्टी की नीतियों और जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार करते हुए आमजन को पार्टी से जोड़ने का काम करना है, ताकि आगामी विधानसभा चुनाव जीतकर तीसरी बार भाजपा की सरकार बन सके।

पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी यतीश्वरानंद ने कहा कि भाजपा ने हमेशा ईमानदार, कर्मठ और जुझारू नेताओं को आगे बढ़ाने का काम किया है। दर्जाधारी डॉ. जयपाल सिंह चौहान, सुनील सैनी, शिवालिकनगर के चेयरमैन राजीव शर्मा ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी को पार्टी की रीति नीतियों को अपनाते हुए जनहित में काम करना है। पार्टी से युवाओं को अधिक से अधिक जोड़ने का काम करना है। नवनियुक्त पदाधिकारियों में जिला महामंत्री हीरा सिंह बिष्ट, संजीव चौधरी, उपाध्यक्ष सीमा चौहान एवं तरुण नैयर, जिला मंत्री भूप सिंह, विनित जौली, जिला मीडिया संयोजक धर्मेंद्र चौहान आदि का स्वागत किया गया। इस मौके पर भाजयुमो जिलाध्यक्ष विक्रम भुल्लर, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित चौहान, मंडल अध्यक्ष विवेक चौहान, सुशील पंवार, विक्रम चौहान, धर्मेंद्र प्रधान, प्रणव यादव, सौरभ शर्मा, कैलाश भंडारी, अजय मलिक, रवि वर्मा, पंकज चौहान, अंशुल शर्मा, आदित्य मलिक, रविंद्र उनियाल, संचिन डागर, दीपांशु शर्मा, सतविंदर सिंह, श्रवण चौहान, सचिन चौहान, चंदन सैनी, रेणु चौधरी, देवविख्यात भाटी, शुभम चौधरी, युधिष्ठिर वालिया आदि शामिल हुए।

## एक नजर

### ऑपरेशन कालनेमि के तहत ढोंगी बाबा गिरफ्तार

पथ प्रवाह हरिद्वार, हिंदू देवी देवताओं का रूप धारण कर आमजन को ठगने वाले एक ढोंगी बाबा को कोतवाली नगर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मुख्यमंत्री उत्तराखंड के निर्देश पर चलाए जा रहे ऑपरेशन कालनेमि को सफल बनाने में जुटी हरिद्वार पुलिस ने रविवार को एक और छद्मवेशधारी बाबा को गिरफ्तार किया है। यह ढोंगी लोगों को भ्रमित कर उनकी धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ कर रहा था। अभियुक्त के खिलाफ धारा 170 बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई है। हरिद्वार पुलिस का ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। गिरफ्तार अभियुक्त का नाम कमल सिंह पुत्र नारायण सिंह निवासी ग्राम छर्रा थाना छर्रा जिला अलीगढ़ उत्तर प्रदेश, हाल पता चंडीघाट शमशान घाट के पीछे थाना श्यामपुर हरिद्वार है।

### चंद्र ग्रहण के सूतक काल से पहले ही दिन में हुई गंगा आरती

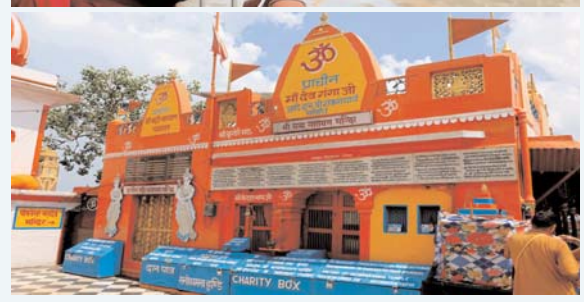


पथ प्रवाह हरिद्वार,चंद्र ग्रहण के सूतक काल से पहले हरिद्वार में मां गंगा की विशेष आरती की गई। आरती के बाद हरकी पैडी क्षेत्र के सभी मंदिरों के कपाट बंद कर दिये गए। अब चंद्र ग्रहण समाप्त होने पर मंदिरों के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोले जाएंगे। हरिद्वार में चंद्र ग्रहण के सूतक काल के चलते रविवार को विशेष गंगा आरती का आयोजन किया गया। पवित्र गंगा तट पर श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से आरती में भाग लिया। सांध्यकालीन होने वाली गंगा आरती को आज समय से पूर्व दोपहर 12:30 बजे ही संपन्न कर दिया गया। हरिद्वार के पंड़ित, पुरोहितों और पुजारियों ने सभी से विशेष आग्रह किया कि ग्रहण के नियमों का पूरी तरह से पालन करें ताकि धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप सुरक्षा और शुभता बनी रहे। पंडितों का कहना है कि ग्रहण के दौरान विशेष सावधानियां बरतना आवश्यक है। उन्होंने ग्रहण काल में अनावश्यक कार्यों से परहेज करने की भी सलाह दी, ताकि ग्रहण का प्रभाव सकारात्मक रूप से संपन्न हो सके।

### जमीन दिलाने के नाम पर हरियाणा के युवक से हरिद्वार में ठगी

पथ प्रवाह, हरिद्वार। हरियाणा के एक युवक के साथ हरिद्वार में जमीन दिलाने के नाम पर तीन लाख रुपये की ठगी किये जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली ज्वालापुर में आरोपियों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक पीड़ित युवक अर्जुन आहूजा निवासी पानीपत, हरियाणा की तहरीर के आधार पर चार लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पीड़ित का कहना है कि वह हरिद्वार में मकान बनाने के लिए प्लॉट की तलाश कर रहा था। इसी दौरान उसकी मुलाकात ज्वालापुर-रुड़की रोड स्थित रामानंद कॉलेज के सामने स्थित पीआरसी प्रॉपर्टी डीलर कार्यालय में रीता धवन नाम की महिला से हुई। रीता ने खुद को ऑफिस की प्रभारी बताया और कहा कि उसका बेटा रोहित धवन व सहयोगी विकास चौहान फील्ड का काम देखते हैं। तीनों ने उसे एक प्लॉट दिखाकर उसका सौदा तय किया, लेकिन आरोपियों ने तीन लाख रुपये बतौर बयाना लेने के बावजूद उसके नाम रजिस्ट्री नहीं। आरोपी उसे गुमराह करते रहे, उसने जब अपने पैसे वापस मांगे तो आरोपियों ने उसे धमकी दी। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

# संपादकीय

## ट्रंप की नीति 'अमेरिका फर्स्ट' को अमेरिकन ने ही नकारा

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सत्ता में आने के बाद 'अमेरिका फर्स्ट' का नारा देते हुए व्यापार युद्धों की शुरुआत की और टैरिफ को अपनी आर्थिक नीति का प्रमुख हथियार बना लिया। उनका दावा रहा है कि इससे अमेरिकी उद्योग दोबारा खड़ा होगा और विदेशी आयात पर निर्भरता घटेगी। लेकिन हाल के आँकड़े और वैश्विक रेटिंग एजेंसियों की चेतावनियाँ उनके इन दावों की पोल खोल रही हैं। यह आंकड़ें और चेतावननी बता रही हैं कि कई अमेरिकन ने ही डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका फर्स्ट का नारा नकार दिया है। दरअसल, इस संबंध में ग्लोबल एजेंसी 'मूडीज' एनालिटिक्स ने स्पष्ट कहा है कि अमेरिका आज मंदी की कगार पर खड़ा है और सकल घरेलू उत्पाद का लगभग एक-तिहाई हिस्सा पहले से ही गंभीर संकट में फँस चुका है। रिपोर्ट बताती है कि अमेरिका के कई राज्य या तो मंदी का सामना कर रहे हैं या निकट भविष्य में उसमें घिरने वाले हैं। केवल कुछेक राज्यों में ही आर्थिक वृद्धि दर्ज की जा रही है जबकि बहुसंख्यक राज्यों में ठहराव या गिरावट का माहौल है। यह परिदृश्य उस देश की असली हालत दिखाता है जो खुद को दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था कहता है।

### मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर अपने सबसे कमजोर प्रदर्शन पर पहुंचा

राष्ट्रैपति ट्रंप की नीतियों का सबसे गहरा प्रहार अमेरिकी मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर हुआ है। आयात शुल्कों के कारण कच्चे माल और पुर्जों की कीमतें इतनी बढ़ गई हैं कि उत्पादन महँगा और अलाभकारी हो गया है। जिन उद्योगों को वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से लाभ मिल रहा था, वे अचानक महंगे उत्पादन की मार झेलने लगे हैं। रिपोर्ट के अनुसार अगस्त 2025 में अमेरिका का मैन्युफैक्चरिंग परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स घटकर 48.7 पर आ गया, जो लगातार छठा महीना है जब इस क्षेत्र में गिरावट दर्ज हुई। इंस्टीट्यूट फॉर सप्लाई मैनेजमेंट का सर्वे भी यही संकेत देता है कि उद्योगपतियों का विश्वास डगमगा चुका है और वे विस्तार की जगह सिमटने की रणनीति अपना रहे हैं। कई कंपनियाँ छंटनी कर रही हैं और नई नौकरियाँ देने से बच रही हैं। यह स्थिति महामंदी से भी बदतर बताई जा रही है।

### अमेरिका में रोजगार तेजी से घट रहे

रोजगार के मोर्चे पर भी तस्वीर चिंताजनक है। ट्रंप प्रशासन ने बार-बार रोजगार सृजन का दावा किया लेकिन हकीकत इसके उलट है। सरकारी नौकरियों में कटौती ने हालात को और खराब कर दिया है। केवल जनवरी से मई के बीच वाशिंगटन डीसी क्षेत्र में ही बाईस हजार से अधिक सरकारी नौकरियाँ खत्म हो चुकी हैं। उत्तर-पूर्व और मध्य-पश्चिम के राज्य भी इससे प्रभावित हुए हैं। सरकारी नौकरियों की कटौती का असर केवल रोजगार तक सीमित नहीं रहता बल्कि यह आम लोगों की आय और उपभोग क्षमता पर भी सीधा प्रहार करता है। जब लोगों के पास काम नहीं होगा तो उनकी खपत घटेगी और बाजार सिकुड़ेगा, जिससे मंदी का चक्र और गहराता जाएगा। इन सबके बीच अमेरिका का राष्ट्रीय कर्ज भी तेजी से बढ़ रहा है। आज यह कर्ज लगभग पैंतीस ट्रिलियन डॉलर तक पहुँच चुका है। कर कटौती और बढ़ते सैन्य व्यय ने इस बोझ को और बढ़ा दिया है। हालत यह है कि अमेरिकी बजट का एक बड़ा हिस्सा केवल ब्याज भुगतान में चला जाता है और शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा तथा बुनियादी ढाँचे जैसे अहम क्षेत्रों पर खर्च सीमित होता जा रहा है।

# मातृत्व का अपमानः बिहार की राजनीति पर असर

**ललित गर्ग**

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की माताजी के संबंध में कांग्रेस और राजद के मंच से जो अभद्र व अशालीन शब्द कहे गए, उसने न केवल राजनीतिक वातावरण को कलंकित किया है, बल्कि पूरे देश की संवेदनाओं को भी आहत किया है। भारत में माँ केवल एक परिवार की सदस्य नहीं होती, वह मातृत्व का प्रतीक है, करुणा और संस्कार की धारा है, जीवन की प्रथम शिक्षिका है। किसी भी माँ के लिए अपमानजनक टिप्पणी वस्तुतः संपूर्ण मातृत्व का अपमान है। इसलिए जब किसी दल के नेता राजनीतिक आग्रहों एवं दुराग्रहों के चलते प्रधानमंत्री की माताजी को अपशब्द कहते हैं, तो यह प्रधानमंत्री पर नहीं बल्कि हर उस भारतीय पर चोट करता है, जिसने अपनी माँ को श्रद्धा और सम्मान के उच्चतम स्थान पर रखा है, यह भारतीय संस्कृति एवं तहजीब का भी अपमान है। यही कारण है कि यह घटना केवल राजनीतिक विवाद नहीं रही, यह एक सामाजिक-नैतिक प्रश्न बन गई है। नेताओं को यह बात समझनी चाहिए कि सही तरीके से बोले गए शब्दों में लोगों को जोड़ने की ताकत होती है, जबकि गलत भाषा एवं बोल का इस्तेमाल राजनीतिक धरातल को कमजोर करता है।

बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आते जा रहे हैं, विपक्षी नेताओं की जुबान फिसलती जा रही है, वे राजनीति से इतर नेताओं की निजी ज़िंदगियों में तांक-झांक वाले, धार्मिक भावनाओं को भड़काने वाले ऐसे बोल बोल रहे हैं, जो न सिर्फ़ आपत्तिजनक हैं, बल्कि राष्ट्र-तोड़क एवं जनभावनाओं को आहत करने वाले है। प्रधानमंत्री मोदी को नीचा दिखाने के मकसद से ये नेता मर्यादा, शालीनता और नैतिकता की रेखाएं पार करते नज़र आए हैं। गलत का विरोध खुलकर हो, राष्ट्र-निर्माण के लिये अपनी बात कही जाये, अपने राजनीतिक मुद्दों को भी प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जाये, लेकिन गलत, उच्छृंखल एवं अनुशासनहीन बयानों की राजनीति से बचना चाहिए। बड़ा सवाल है कि एक ऊर्जावान एवं दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में क्या वाकई अमर्यादित भाषा का इस्तेमाल औचित्यपूर्ण है? लोकतंत्र में असहमति होना स्वाभाविक है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार की नीतियों की आलोचना करना विपक्ष का अधिकार ही नहीं, उसका दायित्व भी है। परंतु आलोचना और अभद्रता में बहुत बड़ा अंतर है। जब राजनीतिक संवाद विचारों, नीतियों और कार्यक्रमों से हटकर व्यक्तिगत और पारिवारिक अपमान तक पहुँच जाता है, तब लोकतंत्र की आत्मा पर आघात होता है। विपक्ष को सरकार की योजनाओं, उसकी कमियों या विफलताओं पर सवाल उठाने चाहिए, लेकिन यदि वे प्रधानमंत्री की माँ को निशाना बनाएंगे, तो जनता इसे राजनीतिक परिपक्वता की कमी, विकृत राजनीति और हताशा का प्रतीक ही मानेगी।

इतिहास साक्षी है कि जब-जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गाली-गलौज की गई है, तब-तब यह उनके लिए सहानुभूति और समर्थन का कारण बना है। 2014 के लोकसभा चुनाव के समय से ही अनेक अवसर आए, जब कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों ने मोदी पर अशालीन एवं अभद्र टिप्पणियां की हैं लेकिन विपक्षी नेताओं ने अब सारी हदें लांघते हुए उन पर राजनीतिक छिद्रान्वेषण से हटकर व्यक्तिगत हमले करके, उनकी पृष्ठभूमि और उनके परिवार को लेकर अपमानजनक शब्द कह कर राजनीतिक मर्यादाओं का हनन किया है। लेकिन हर बार जनता ने इसका उत्तर मोदी के पक्ष में समर्थन देकर दिया। 2019 के आम चुनाव में भी जब अपशब्दों की बाढ़ आई, तो मोदी और भी सशक्त होकर सामने आए। जनता ने मानो यह संदेश दे दिया कि जो व्यक्ति अपनी व्यक्तिगत गरिमा और पारिवारिक मर्यादा का स्वयं उत्तर नहीं देता, बल्कि मौन रहकर केवल अपने राष्ट्र विकास के कार्यों से जवाब देता है, वही उनकी सहानुभूति का अधिकारी है। यही कारण है कि मोदी पर गाली की हर चोट उनके समर्थन को और व्यापक बना देती है। मोदी को कोई भी गाली कभी भी कमजोर नही कर सकती। भारतीय मतदाता भावनाओं से गहराई से जुड़ा हुआ है। वह केवल तर्क और आँकड़ों से प्रभावित नहीं होता, बल्कि उसके निर्णय में संवेदनाएँ और संस्कार भी बराबरी से भूमिका निभाते हैं। प्रधानमंत्री की माता जी पर की गई टिप्पणी ने इस संवेदनशीलता को झकझोर दिया है। भारतीय समाज के लिए माँ केवल परिवार की धुरी नहीं है, बल्कि राष्ट्र की आत्मा का प्रतीक भी है। इसीलिए जब माँ पर आघात हुआ, तो जनता ने इसे मोदी के परिवार का नहीं बल्कि अपने परिवार का अपमान माना। यह भावनात्मक जुड़ाव विपक्ष की रणनीति को उल्टा कर देता है और मोदी के लिए जनसमर्थन का कारण बन जाता है। भारतीय राजनीति में स्तरहीन, हल्की और सस्ती बातें कहने का चलन काफी समय से है। लेकिन पिछले दो दशकों में यह वीभत्स रूप धारण कर चुका है। एक समय राम मनोहर लोहिया ने इंदिरा गांधी को केवल गूंगी गुड़िया कहा था तो काफी विवाद हुआ और बड़ी तादाद में लोगों ने लोहिया का विरोध किया। लेकिन आज कांग्रेस मोदी के खिलाफ काफी कुछ बोल चुकी हैं, कभी रावण तो कभी नीच, कातिल, शैतान, मौत का सौदागर जैसे शब्दों का खुलेआम इस्तेमाल किया है। जिसमें उनकी हताशा साफ झलकती है। कड़वे एवं गलत बयानी के मामले में कांग्रेसियों की तो लम्बी सूची है। चाहे सानिया हो या राहुल, चाहे वह अधीर रंजन हों या दिग्विजय सिंह या फिर संजय निरुपम, खडगे और प्रियंका गांधी। इन नेताओं ने बेहद हल्के शब्दों का इस्तेमाल किया, जिससे उनकी खीझ एवं बौखलाहट का पता चलता है। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि मोदी और उनकी पार्टी ने ऐसे अमर्यादित शब्दों और टिप्पणियों को अपने लाभ के लिए इस्तेमाल किया। नरेन्द्र मोदी को चाय वाला कहकर उनका उपहास उड़ाने वाले विपक्षियों को तो उन्होंने अपने कार्यों और उपलब्धियों से आईना दिखा दिया। आज चाय वाला शब्द मेहनतकश लोगों के सम्मान का प्रतीक बन गया है। बिहार के चुनावी परिदृश्य पर इस घटना का गहरा असर पड़ना स्वाभाविक है। यहाँ की राजनीति पहले से ही जातीय समीकरणों, आर्थिक पिछड़ेपन और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों में उलझी हुई है। विपक्ष अपने लिए जगह बनाने के लिए संघर्षरत है, परंतु वह जनता को कोई ठोस और विश्वसनीय विकल्प देने में असफल रहा है। ऐसे में जब उसके नेता अभद्रता पर उतर आते हैं, तो जनता का विश्वास और भी कम हो जाता है। वह सोचने लगती है कि जिन नेताओं के पास शब्दों की गरिमा और तर्क का बल नहीं है, वे शासन और प्रशासन की मर्यादा कैसे संभालेंगे? इसीलिए बिहार की जनता ऐसी अभद्रता का समर्थन नहीं करेगी और इसका सीधा असर विपक्ष की चुनावी संभावनाओं पर पड़ेगा। यह भी एक गहन प्रश्न है कि विपक्ष आखिर किस हद तक गिरेगा? क्या लोकतंत्र अब केवल गाली-गलौज और व्यक्तिगत अपमान तक सीमित रह जाएगा? क्या राजनीति में विचारों और सिद्धांतों की जगह अब विकारों और अशालीनता ने ले ली है? यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है।

प्रधानमंत्री मोदी पर गाली-गलौज की हर घटना उनके व्यक्तित्व को और दृढ़ बनाती है। वे स्वयं बार-बार कहते रहे हैं कि उन्हें जितनी गालियाँ मिलेंगी, वे उतनी ही शक्ति से देश सेवा में लगेंगे। उनके इस धैर्य और संयम ने उन्हें जनता के बीच एक अलग पहचान दी है। जनता यह अनुभव करती है कि जो व्यक्ति व्यक्तिगत अपमान को भी सह लेता है, लेकिन जनता की सेवा से विचलित नहीं होता, वही सच्चा नेतृत्वकर्ता है। यही कारण है कि उनके विरोधियों की अभद्रता अंततः उन्हीं पर भारी पड़ती है। विपक्ष को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में सफलता केवल आलोचना से नहीं मिलती, बल्कि वैकल्पिक नीतियों और रचनात्मक दृष्टि से मिलती है।

केवल मोदी विरोध करना ही राजनीति का उद्देश्य नहीं हो सकता। जनता को चाहिए कि विपक्ष विकास की कोई ठोस योजना प्रस्तुत करे, रोजगार और शिक्षा की स्थिति सुधारने का मार्ग दिखाए, स्वास्थ्य और किसान समस्याओं पर गंभीरता से बात करे। यदि वे यह सब नहीं कर सकते और केवल गाली-गलौज की राजनीति करेंगे, तो उनका हश्र वही होगा जो बार-बार होता आया है।

# आखिर कब साकार होगा पूर्ण साक्षर भारत का सपना?

**योगेश कुमार गोयल**

दुनियाभर में लोगों को साक्षरता के महत्व के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 8 सितम्बर को विश्वभर में 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जाता है। दुनिया से अशिक्षा को समाप्त करने के संकल्प के साथ आज 59वां 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जा रहा है। पहली बार यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) द्वारा 17 नवम्बर 1965 को 8 सितम्बर को ही अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसके बाद प्रथम बार 8 सितम्बर 1966 से शिक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने तथा विश्वभर के लोगों का इस ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिवर्ष इसी दिन यह दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया। वास्तव में यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों का ही प्रमुख घटक है।

निरक्षरता को खत्म करने के लिए ईरान के तेहरान में शिक्षा मंत्रियों के विश्व सम्मेलन के दौरान वर्ष 1965 में 8 से 19 सितम्बर तक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए पहली बार बैठक की गई थी और यूनेस्को ने नवम्बर 1965 में अपने 14वें सत्र में 8 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस घोषित किया। उसके बाद से सदस्य देशों द्वारा प्रतिवर्ष 8 सितम्बर को 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जा रहा है। साक्षरता दिवस के अवसर पर निरक्षरता समाप्त करने के लिए जन जागरूकता को बढ़ावा देने तथा प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के पक्ष में वातावरण तैयार किया जाता है। यह दिवस लगातार शिक्षा को प्राप्त करने की ओर लोगों को बढ़ावा देने के लिए तथा परिवार, समाज और देश के लिए अपनी जिम्मेदारी को समझने के लिए मनाया जाता है।

दुनियाभर में आज भी अनेक लोग निरक्षर हैं और यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत, सामुदायिक तथा सामाजिक रूप से साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्व में सभी लोगों को शिक्षित करना ही है। साक्षरता दिवस के माध्यम से यही प्रयास किए जाते हैं कि इसके जरिये तमाम बच्चों, व्यस्कों, महिलाओं तथा वृद्धों को भी साक्षर बनाया जाए। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में फिलहाल करीब चार अरब लोग साक्षर हैं लेकिन विड़म्बना यह है कि आज भी विश्वभर में करीब एक अरब लोग ऐसे हैं, जो पढ़ना-लिखना नहीं जानते। तमाम प्रयासों के बावजूद दुनियाभर में 77 करोड़ से भी अधिक युवा भी साक्षरता की कमी से प्रभावित हैं अर्थात प्रत्येक पांच में से एक युवा अब तक साक्षर नहीं है, जिनमें से दो तिहाई महिलाएं हैं। आंकड़े बताते हैं कि 6-7 करोड़ बच्चे आज भी ऐसे हैं, जो कभी विद्यालयों तक नहीं पहुंचते जबकि बहुत से बच्चों में नियमितता का अभाव है या फिर वे किसी न किसी कारणवश विद्यालय जाना बीच में ही छोड़ देते हैं। कोरोना काल में यह समस्या और ज्यादा गहरी हुई। करीब 58 फीसदी के साथ सबसे कम व्यस्क साक्षरता दर के मामले में दक्षिण और पश्चिम एशिया सर्वाधिक पिछड़े हैं।

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए प्रतिवर्ष एक विशेष थीम चुनी जाती है और इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम है 'डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना', जो संचार को बेहतर बनाने और विविध संस्कृतियों के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देने के लिए कई भाषाओं में शिक्षा प्रदान करने के महत्व पर जोर देती है। पिछले साल साक्षरता दिवस 'बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देना- आपसी समझ और शांति के लिए साक्षरता' थीम के साथ मनाया गया था। इस विशेष दिवस के लिए 2006 से लेकर अब तक निर्धारित थीम पर नजर डालें तो 2006 में सामाजिक प्रगति प्राप्ति पर ध्यान देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का विषय 'साक्षरता सतत विकास' रखा गया था। वर्ष 2007 और 2008 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की विषय-वस्तु 'साक्षरता और स्वास्थ्य' थी, जिसके जरिये टीबी, कॉलेरा, एचआईवी, मलेरिया जैसी फैलने वाली बीमारियों से लोगों को बचाने के लिए महामारी के ऊपर ध्यान केन्द्रित करने का लक्ष्य रखा गया था। वर्ष 2009 में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर ध्यान देने के लिए इसका विषय 'साक्षरता और सशक्तिकरण' रखा गया था जबकि 2010 की थीम 'साक्षरता विकास को बनाए रखना' थी। 2011 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए थीम 'साक्षरता और महामारी' (एचआईवी, क्षय रोग, मलेरिया आदि संक्रमणीय बीमारियों) पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थी। 2012 में लैंगिक समानता और महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थीम थी 'साक्षरता और सशक्तिकरण'। 2013 में शांति के लिए साक्षरता के महत्व पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए 'साक्षरता और शांति', 2014 में '21वीं शताब्दी के लिए साक्षरता', 2015 में 'साक्षरता और सतत विकास', 2016 में 'अतीत पढ़ना, भविष्य लिखना', 2017 में 'डिजिटल दुनिया में साक्षरता', 2018 में 'साक्षरता और कौशल विकास' अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी। 2019 में 'साक्षरता और बहुभाषावाद', वर्ष 2020 में 'कोविड-19 संकट और उससे संबंधित शिक्षा और शिक्षण', 2021 में 'मानव-केन्द्रित पुनर्प्राप्ति के लिए साक्षरता- डिजिटल विभाजन को कम करना' (लिटरेसी फॉर ए ह्यूमन-सेंट्रड रिकवरी- नैरोइंग द डिजिटल डिवाइड), 2022 में 'ट्रांसफॉर्मिंग लिटरेसी लर्निंग स्पेसेस' (साक्षरता सीखने के स्थान को बदलना) तथा 2023 में 'संक्रमण काल में दुनिया के लिए साक्षरता को बढ़ावा देना- टिकाऊ और शांतिपूर्ण समाजों की नींव का निर्माण' (प्रोमोटिंग लिटरेसी फॉर ए वर्ल्ड इन ट्रांजिशन- बिल्डिंग द फाउंडेशन फॉर सस्टेनेबल एंड पीसफुल सोसायटीज) अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी।

बहरहाल, भारत हो या दुनिया के अन्य देश, गरीबी मिटाना, बाल मृत्यु दर कम करना, जनसंख्या वृद्धि नियंत्रित करना, लैंगिक समानता प्राप्त करना आदि समस्याओं के समूल विनाश के लिए सभी देशों का पूर्ण साक्षर होना बेहद जरूरी है। दरअसल साक्षरता ही सामाजिक विकास का आधार स्तंभ बन सकती है। साक्षरता में ही वह क्षमता है, जो परिवार और देश की प्रतिष्ठा बढ़ा सकती है। आंकड़े देखें तो दुनिया में 100 से भी अधिक देश अभी भी ऐसे हैं, जो पूर्ण साक्षरता हासिल करने के लक्ष्य से अभी दूर हैं और चिंता की बात है कि भारत भी इनमें शामिल है। हालांकि आजादी के बाद देश में साक्षरता दर काफी तेजी से बढ़ी है लेकिन अभी इस दिशा में बहुत किया जाना बाकी है।

(लेखक साढ़े तीन दशक से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

## एक नजर

### प्रज्वल रेवन्ना जेल लाइब्रेरी में काम करेगा

बेंगलुरु। पूर्व जेडीएस सांसद और पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवेगौड़ा का पोता प्रज्वल रेवन्ना जेल की लाइब्रेरी में काम करेगा। परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल प्रशासन ने उसकी लाइब्रेरी में ड्यूटी लगाई है। इस काम के बदले उसे रोज 522 रुपए मिलेंगे। जेल प्रशासन का कहना है कि पूरा काम सही से करने पर ही रेवन्ना को पैसे दिए जाएंगे। अधिकारियों के मुताबिक, रेवन्ना का काम जेल की लाइब्रेरी में कैदियों को किताबें जारी करना और उनका रिकॉर्ड संभालना होगा। जेल नियमों के अनुसार, उम्रकैद भुगत रहे कैदियों को काम करना अनिवार्य है। हर कैदी को उसकी योग्यता और इच्छा के आधार पर काम दिया जाता है। दरअसल, बेंगलुरु की स्पेशल कोर्ट ने 2 अगस्त को रेवन्ना को नौकरानी से रेप केस में उम्र कैद की सजा सुनाई थी।

### मानसून सीजन हिमाचल प्रदेश के लिए बना अभिशाप

नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में इस मानसून सीजन (24 जुलाई से लेकर 7 अगस्त) तक बारिश-बाढ़, लैंडस्लाइड से जुड़ी घटनाओं में 366 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य सरकार को 4 लाख करोड़ की संपत्ति का नुकसान भी हुआ है। शिमला में 116 प्रतिशत और कुल्लू में 113 प्रतिशत बारिश हुई, जो सामान्य से दोगुनी है। पंजाब के सभी 23 जिले अभी भी बाढ़ से प्रभावित हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य में अगले 3 दिन बारिश का अलर्ट नहीं है, लेकिन लुधियाना का ससराली बांध टूटने का खतरा बना हुआ है जो सतलुज नदी पर बना है। इस पर बनाया रिंग बांध भी कटने लगा है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के नौगांव में शनिवार शाम को बादल फटा। बाजार और कई घरों में पानी-मलबा घुस गया। सडक़ पर खड़ी कई गाडियां भी बह गईं। उत्तर प्रदेश के मथुरा में यमुना नदी शहर से 1 किमी दूर तक पहुंच गई है। घाट किनारे के आश्रमों में 5 फीट तक पानी भरा है। वृंदावन परिक्रमा मार्ग पानी में डूबा है।

### 9 साल बाद मायावती करेंगी शक्ति प्रदर्शन

लखनऊ। यूपी में पंचायत चुनाव से पहले बसपा प्रमुख मायावती शक्ति प्रदर्शन करेंगी। यह शक्ति 9 अक्टूबर को लखनऊ में कांशीराम की पुण्यतिथि पर होगा। इस दिन कांशीराम स्मारक स्थल पर एक बड़ी रैली होगी। इसमें खुद मायावती शामिल होंगी। पार्टी ने इसमें 3 लाख की भीड़ जुटाने का लक्ष्य तय किया है। रविवार को मायावती ने लखनऊ में पार्टी कार्यालय पर समीक्षा बैठक की। इसमें सतीश चंद्र मिश्रा, विधायक उमाशंकर सिंह, पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल सहित सभी मंडल और जिला प्रभारी, जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष शामिल हुए। इस बैठक में रैली की तैयारियों पर चर्चा हुई। विधायक उमाशंकर सिंह ने बताया- यह रैली ऐतिहासिक होगी। इसमें प्रदेश से बहुजन समाज की ऐतिहासिक भीड़ आएगी, जो अब तक के सभी रिकार्ड ध्वस्त कर देगी। मायावती की बैठक में भतीजे आकाश और उनके ससुर अशोक सिद्धार्थ शामिल नहीं हुए। हालांकि, इसकी वजह सामने नहीं आई है। बसपा की लखनऊ में आखिरी बड़ी रैली 9 अक्टूबर 2016 यानी 9 साल पहले हुई थी। इस रैली में एक लाख की भीड़ कांशीराम स्मारक स्थल पर उमड़ी थी।

### प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाज सुधारक श्री नारायण गुरु को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने समाज सुधारक श्री नारायण गुरु को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की और समानता, करुणा और सार्वभौमिक भाईचारे के उनके दृष्टिकोण की सराहना की, जो पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, श्री नारायण गुरु की जयंती पर, हम उनके दृष्टिकोण और हमारे सामाजिक व आध्यात्मिक परिदृश्य पर उनके प्रभाव को याद करते हैं। समानता, करुणा और सार्वभौमिक भाईचारे की उनकी शिक्षाएँ व्यापक रूप से गूंजती हैं। सामाजिक सुधार और शिक्षा को बढ़ावा देने का उनका आह्वान पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

### कानपुर में एक महिला ने अपने प्रेमी भांजे के साथ मिलकर की पति की हत्या

कानपुर। कानपुर में एक महिला ने अपने प्रेमी भांजे के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। इतना ही नहीं, शव को घर के पीछे बगीचे में दफनाकर उस पर 12 किलो नमक डाल दिया, ताकि वह जल्दी गल जाए। यह खौफनाक वारदात 10 महीने पहले हुई थी और अब गुमशुदगी की शिकायत दर्ज होने के बाद इसका खुलासा हुआ है। पुलिस ने हत्यारोपी पत्नी और उसके भांजे को गिरफ्तार कर लिया है।

### एमएस धोनी क्रिकेटर से एक्टर बने

मुंबई। टीम इंडिया के सबसे सफल कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अब एक्टिंग की दुनिया में अपनी नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। जल्द ही वह एक्टर आर. माधवन के साथ द चेज में दिखेंगे। रविवार को आर. माधवन ने इसका टीजर शेयर किया। इसमें धोनी और माधवन ब्लैक आउटफिट और सन ग्लासेस पहने हैं और हाथों में गन लेकर ताबड़तोड़ फायरिंग करते नजर आ रहे हैं। यह फिल्म है या वेबसीरीज, यह टीजर में क्लियर नहीं किया गया है। इसे वासन बाला ने डायरेक्ट किया है। वासन आलिया भट्ट की मूवी जिगरा के भी डायरेक्टर थे।

### दरगाह विवाद में 26 लोग हिरासत में

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में 3 सितंबर को हजरतबल दरगाह में राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभ के चिन्ह वाली शिलापट्ट तोड़ी गई। इसके अगले दिन 4 सितंबर को अनंतनाग की खिरम दरगाह में फुटब्रिज के उद्घाटन किया गया था। यहां लगाई शिलापट्ट में केवल वक्फ बोर्ड का लोगो था, अशोक चिन्ह नहीं था। उद्घाटन में जम्मू-कश्मीर वक्फ बोर्ड की चेयरपर्सन दरख्शां अंद्राबी भी पहुंची थीं। वहीं, हजरतबल दरगाह में अशोक स्तंभ शिलापट्ट तोडऩे के मामले में पुलिस ने 26 लोगों को हिरासत में लिया है।

# मोबाइल लूट की घटना का दून पुलिस ने किया खुलासा, एक शातिर गिरफ्तार

**पथ प्रवाह देहरादून,**

ठक-ठक गैंग का एक शातिर अभियुक्त गिरफ्तार कर पुलिस ने मोबाइल स्नेचिंग की एक घटना का खुलासा किया है। आरोपी लोगों को अपनी बातों में उलझा कर घटना को अंजाम देता था।

अभियुक्त के कब्जे से घटना में छीना गया मोबाइल फोन बरामद हुआ है।

कोतवाली पटेलनगर पुलिस के मुताबिक रितेन्द्र कुमार पुत्र रामपाल निवासी टीएचडीसी बंजारावाला पटेलनगर देहरादून द्वारा कोतवाली पटेल नगर पर एक लिखित तहरीर दी कि एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा उन्हें अपनी बातों में उलझाकर उनका मोबाईल फोन छीन कर ले गया। तहरीर के आधार पर कोतवाली पटेलनगर देहरादून पर केस दर्ज किया गया। घटना के अनावरण तथा अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अजय सिंह द्वारा पुलिस टीम को आवश्यक निर्देश दिये गये। निर्देशों के अनुपालन में पुलिस टीम द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण कर आस-पास तथा आने जाने वाले रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेजों का बारीकी से

अवलोकन करते हुए संदिग्धों के सम्बन्ध में जानकारियां एकत्रित की गयी।

पुलिस टीम द्वारा किये जा रहे लगातार प्रयासों के परिणाम स्वरूप रविवार को पाम सिटी के पास से चैकिंग के दौरान पुलिस टीम ने अभियुक्त सरताज पुत्र सरफराज को गिरफ्तार किया। जिसके कब्जे से घटना में वादी से छीना गया मोबाईल फोन बरामद किया गया। पूछताछ में अभियुक्त द्वारा बताया गया कि उनका एक गैंग है, जो लोगों को ऐसे स्थान, जहाँ पर रेड लाईट हो या मोड़ हो तथा गाडी की स्पीड कम हो, ऐसे स्थानों पर गुजरने वाले वाहनों के बांयी तरफ आकर वाहन को अपने पैर पर चढ़ने का बहना बनाकर वाहन चालक से बहस करता है, जिससे कि ड्राईवर अपनी दूसरी साईड का शीशा नीचे कर डर कर माफी माँगते हुये बात करता है, इस दौरान वाहन के दूसरी तरफ से दूसरा व्यक्ति उसी ड्राइवर की साइड पर शीशे पर ठक ठक कर उससे शीशा नीचे करवाकर चालक को अपनी बातों में उलझा कर रखता है, इसी दौरान अभियुक्त वाहन की दूसरी साइड में सीट पर रखे सामान को चोरी कर लेते हैं, जब तक वाहन चालक को घटना का पता चलता है तब तक अभियुक्त मौके से फरार हो जाते हैं। पूछताछ में प्रकाश में आए अभियुक्त के अन्य साथियों की गिरफ्तारी हेतु प्रयास जारी हैं।

# स्वास्थ्य विभाग में 300 चिकित्सकों की और होगी भर्ती: डॉ. धन सिंह रावत

पथ प्रवाह, देहरादून। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में 300 और चिकित्सकों की शीघ्र भर्ती की जायेगी। इसके लिये विभागीय अधिकारियों को राज्य चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड को अधियाचन भेजने के निर्देश दे दिये हैं। इसके अलावा विभाग में लम्बे समय से गैरहाजिर चल रहे 56 बॉण्डधारी डॉक्टरों की सेवाएं समाप्त कर दी गई है। सेवा से बर्खास्त इन चिकित्सकों से मेडिकल कॉलेज को अनुबंध के अनुरूप बॉड की धनराशी वसूलने के निर्देश भी दे दिये गये हैं।

प्रदेश के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मीडिया को जारी बयान में बताया कि हाल ही में स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत प्रांतीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में चिकित्साधिकारी (बैकलॉग) के 220 पदों पर डॉक्टरों की भर्ती की गई, जिनको प्रदेश के सुदूरवर्ती स्वास्थ्य केन्द्रों पर तैनाती भी दे दी

गई है। इसके अलावा विभाग में चिकित्सकों के करीब 300 पद रिक्त पड़े हैं। इन पदों पर शीघ्र भर्ती के लिये विभागीय अधिकारियों को रोस्टर तैयार कर उत्तराखंड चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड को अधियाचन भेजने के निर्देश दे दिये गये हैं, ताकि चयन बोर्ड समय पर भर्ती प्रक्रिया सम्पन्न कर विभाग को नये चिकित्सक उपलब्ध करा सके।

विभागीय मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में बेहतर हेल्थ सिस्टम तैयार करने में जुटी है, जिसके तहत सरकार सुदूरवर्ती क्षेत्रों की स्वास्थ्य इकाईयों में ढ़ांचागत व्यवस्थाओं से लेकर चिकित्सकों की तैनाती भी कर रही है, ताकि आमजन को निकटतम अस्पतालों में बेहतर उपचार सुनिश्चित किया जा सके। इसके अलावा सरकार ऐसे कार्मिकों को बाहर का रास्ता भी दिखने से गुरेज नहीं कर ही है जो अपनी जिम्मेदारियों के प्रति लापरवाह हैं।

इसी क्रम में सरकार ने विगत माह राजकीय मेडिकल कॉलेजों से पासआउट 234 गैरहाजिर बॉण्डधारी चिकित्सकों के विरूद्ध वसूली के साथ ही बर्खास्तगी की कार्रवाई के निर्देश अधकारियों को दिये थे। जिसके फलस्वरूप गयाब चल रहे 178 चिकित्सकों ने वापस विभाग में ज्वाइनिंग दे दी है। जबकि 56 चिकित्सकों ने अंतिम चेतावनी को नजरअंदाज कर दिया। इन सभी गैरहाजिर 56 चिकित्सकों को बर्खास्त कर दिया गया है, साथ ही निदेशक चिकित्सा शिक्षा को गैरहाजिर सभी चिकित्सकों से बाण्ड की शर्तों के अनुरूप बाण्ड की धनराशि वसूलने के निर्देश भी दिये हैं।

डॉ. रावत ने बताया कि बताया कि प्रदेश के राजकीय मेडिकल कॉलेजों में एक अनुबंध के तहत छात्र-छात्राओं को न्यूनतम फीस में एमबीबीएस पढ़ाई कराई जाती है। इस अनुबंध के तहत इन छात्र-छात्राओं को एमबीबीएस की पढ़ाई सम्पन्न होने के बाद सूबे के पर्वतीय जनपदों के चिकित्सा इकाईयों में 5 वर्षों की सेवाएं देना अनिवार्य है। ऐसा न करने की स्थिति में इन चिकित्सकों को बाण्ड में निर्धारित धनराशि जमाकर विभाग से एनओसी लेनी होती है, तभी इन्हें इनके शैक्षिक प्रमाण पत्र लौटाये जाते हैं। अनुबंध की शर्तों का पालन न करने पर चिकित्सकों से बांड में निर्धारित धनराशि वसूलने का प्रावधान है।

## राष्ट्रीय फलक पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं प्रवासी उत्तराखंडी-डॉ धन सिंह रावत

**पथ प्रवाह, देहरादून।** प्रदेश के कैबिनेट मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने अपने महाराष्ट्र प्रवास के दौरान रविवार को मुंबई में उत्तरांचल महासंघ द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में बतौर मुख्यातिथि प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में डॉ रावत ने महाराष्ट्र में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रवासी उत्तराखंडियों को सम्मानित किया। इसके अलावा उन्होंने स्वास्थ्य एवं शिक्षा के विभिन्न संस्थानों का दौरा कर वहां की कार्यप्रणाली की जानकारी ली।

राष्ट्रीय शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में उत्तरांचल महासंघ मुंबई द्वारा आयोजित शिक्षा क्षेत्र में शीर्ष पदों पर कार्यरत उत्तराखंड मूल के प्रधानाचार्यों के सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुये कैबिनेट मंत्री डॉ रावत ने कहा कि राष्ट्रीय फलक पर पहाड़ की प्रतिभाएं अपना लोहा मनवा रही है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की प्रतिभाएं जहां भी जाती हैं, अपनी मेहनत, ज्ञान और संस्कारों की बदौलत वहां नई पहचान और सम्मान अर्जित करती हैं।

आज देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी प्रवासी उत्तराखंडी अपनी प्रतिभा का जौहर दिखा रहे हैं। डॉ रावत ने कहा कि प्रवासी उत्तराखंडियों ने मुंबई जैसे महानगर में रहकर भी अपनी जड़ों को नहीं भूला है यह वास्तव में सबसे प्रेरणादायी है। कार्यक्रम में डॉ रावत ने महाराष्ट्र के शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों व शिक्षाविदों को सम्मानित कर उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड शिक्षा के क्षेत्र में कई पहलुओं पर काम कर रहा है, ताकि प्रदेश के नौनिहालों को उच्च कोटि की शिक्षा मिल सके। उन्होंने प्रवासी उत्तराखंडियों से शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग की भी अपील की।

कार्यक्रम में डॉ रावत ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले 5 विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। जिसमें क्रिकेटर, चार्टर्ड अकाउंटेंट के अलावा भारतीय सेना में चयनित हुये छात्र शामिल हैं।

### कैबिनेट मंत्री ने किया एचएलएल का दौरा

कैबिनेट मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने नवी मुंबई में स्थित भारत सरकार के उपक्रम एचएलएल लाइफ केयर लिमिटेड (हिन्द लैब) का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने एचएलएल के अधिकारियों से पैथोलॉजी लैब में स्थापित विभिन्न अत्याधुनिक मशीनों और तकनीकों के बारे में जानकारी ली, साथ ही लैब में की जा रही विभिन्न पैथोलॉजी जांचों और सेवाओं के बारे में भी जानकारी ली।। लैब के अधिकारियों ने बताया कि ॥रू महाराष्ट्र सरकार के साथ मिलकर ÷निःशुल्क लैब जांचों÷ की सुविधा दे रहा है। डॉ रावत ने कहा कि उत्तराखंड के ग्रामीण व पर्वतीय क्षेत्रों में भी ऐसे ही उच्च स्तरीय पैथोलॉजी उपकरण और तकनीक उपलब्ध कराई जायेगी। इसके लिये शीघ्र ही ठोस कार्ययोजना बनाई जायेगी।

# उत्तरकाशी में मनाया गया छठा अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु एवं नीला आसमान दिवस

## वायु प्रदूषण से बचाव और जनजागरूकता के लिए सप्ताह भर चलाया जाएगा विशेष अभियान

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तत्वावधान में राष्ट्रीय जलवायु परिवर्तन एवं मानव स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत रविवार को जिला चिकित्सालय उत्तरकाशी में छठा अंतर्राष्ट्रीय स्वच्छ वायु एवं नीला आसमान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी. एस. रावत ने की। इस अवसर पर आयोजित गोष्ठी का मुख्य विषय रहा स्वच्छ वायु के लिए दौड़, हर श्वास है महत्वपूर्ण।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रावत ने कहा कि आज वायु प्रदूषण सम्पूर्ण विश्व के सामने गंभीर चुनौती बन चुका है। प्रदूषित वायु के कारण श्वसन तंत्र से जुड़ी बीमारियाँ, हृदय रोग, कैंसर, फेफड़ों की समस्याएँ तथा बच्चों और बुजुर्गों में अनेक स्वास्थ्य जटिलताएँ तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते प्रदूषण को नियंत्रित नहीं किया गया तो आने वाली पीढ़ियों का जीवन संकट में पड़ सकता है। इस अवसर पर प्रमुख अधीक्षक डॉ. पी. एस. पोखरियाल तथा अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी. एस. पांगती ने भी आमजन को संबोधित करते हुए कहा कि नागरिक प्रदूषण रोकने में स्वयं की भूमिका सुनिश्चित करें। उन्होंने अपील की कि लोग निजी वाहनों की बजाय सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग करें, अधिक से अधिक वृक्ष लगाएँ तथा प्लास्टिक या घरेलू कचरे को जलाने जैसी हानिकारक गतिविधियों से बचें। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रावत ने बताया कि इस विशेष दिवस के अंतर्गत 07 सितम्बर से 13 सितम्बर तक पूरे जनपद की सभी स्वास्थ्य इकाइयों में एक सप्ताह तक वृहद जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को स्वच्छ वायु के महत्व, प्रदूषण से होने वाले नुकसान तथा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में किए जाने वाले उपायों के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक स्वयं को जागरूक कर ले तो वायु प्रदूषण को काफी हद तक कम किया जा सकता है। स्वच्छ वायु केवल आज की आवश्यकता नहीं, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों को दिया जाने वाला सबसे बड़ा उपहार है। कार्यक्रम में उपस्थित स्वास्थ्यकर्मियों, आशा कार्यकत्रियों और नागरिकों से अपील की गई कि वे पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण नियंत्रण के लिए मिलकर सक्रिय भूमिका निभाएँ, ताकि भविष्य की पीढ़ियों को स्वच्छ वायु और नीला आसमान मिल सके। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, आशा कार्यकत्रियाँ और स्थानीय लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर प्रमुख रूप से प्रमोद नौटियाल, अनिल बिष्ट, राकेश उनियाल, मनोज भट्ट, गिरीश व्यास सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

# उत्तरकाशी को आयुष हब बनाने की पहल, पंचकर्म व योग नगर में वैलनेस सभा आयोजित

ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। आयुर्वेद एवं यूनानी विभाग उत्तरकाशी के तत्वाधान में शनिवार को राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय पंचकर्म एवं योग नगर के सभाकक्ष में एक विशेष वैलनेस सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में जिले के रिसॉर्ट, होटल, होमस्टे संचालक, योग केंद्र, आयुर्वेदिक चिकित्सालय और आयुर्वेदिक संस्थानों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पर्यटन अधिकारी के.के. जोशी, होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेन्द्र मटूडा और रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष माधव जोशी ने भगवान धन्वंतरि के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

सभा में आयुष नीति और योग नीति पर विस्तार से चर्चा हुई। डॉ. जयकिशन चन्दोक, डॉ. कुलदीप नौटियाल और डॉ. अनुज पुरी ने आयुष चिकित्सा, पंचकर्म, मर्म चिकित्सा और योग की संभावनाओं पर जानकारी देते हुए बताया कि किस तरह निजी क्षेत्र की सहभागिता से आयुष हेल्थ एवं वैलनेस केंद्र स्थापित किए जा सकते हैं। विशेषज्ञों ने यह भी स्पष्ट किया कि केंद्रों को स्थापित करने के मानक क्या होंगे, सरकार द्वारा मिलने वाली सब्सिडी का लाभ कैसे मिलेगा और अपुनि सरकार पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करने की प्रक्रिया क्या है। जिला पर्यटन अधिकारी के.के. जोशी ने होटल व होमस्टे संचालकों से आग्रह किया कि वे पर्यटन के साथ आयुर्वेद, योग और पंचकर्म केंद्रों की स्थापना करें।

उन्होंने कहा कि इससे रोजगार की संभावनाएँ बढ़ेंगी और देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को आयुर्वेद व योग के माध्यम से शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होगा। कार्यक्रम में डॉ. वत्सला पाण्डे बहुगुणा और डॉ. नरेंद्र चौहान भी उपस्थित रहे। सभा का संचालन डॉ. कुलदीप नौटियाल ने किया और अंत में जिला आयुर्वेद एवं यूनानी चिकित्सा अधिकारी डॉ. रतन मणि भट्ट ने सभी अतिथियों व प्रतिभागियों का आभार प्रकट कर कार्यक्रम का समापन किया।

# जनता से आशीर्वाद लेने गाँव-गाँव पहुँचीं विजयी प्रत्याशी प्रियंका रावत, आभार जताते हुए सुनीं ग्रामीणों की समस्याएँ

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह

उत्तरकाशी। न्यू गांव गाजणा से जिला पंचायत सदस्य पद पर विजयी होने के बाद प्रियंका रावत लगातार गांव-गांव जाकर जनता से आशीर्वाद ले रही हैं। रविवार को उनके आभार कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम पंचायत कुमारकोट, ठाण्डी, जालंग और कमद में ग्रामीणों ने उनका भव्य स्वागत किया। प्रियंका रावत ने ग्रामवासियों के बीच पहुँचकर सभी का आभार जताया और कहा कि यह जीत केवल उनकी नहीं, बल्कि सभी ग्रामवासियों की मेहनत और विश्वास की जीत है। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता जनता की सेवा करना और विकास कार्यों में किसी प्रकार की कमी न आने देना है। प्रियंका रावत ने अपने संबोधन में कहा कि यह पद उनके लिए सत्ता का साधन नहीं बल्कि सेवा का अवसर है। उन्होंने कहा कि उन्होंने जिस विश्वास से जनता ने उन्हें चुना है, उसका ऋण वे विकास कार्यों और जनसेवा के माध्यम से ही चुका पाएंगी। उनका वादा है कि वे हर जरूरतमंद की आवाज़ बनकर उसके अधिकारों के लिए खड़ी रहेंगी और पंचायत से लेकर जिला स्तर तक चल रही योजनाओं का लाभ हर व्यक्ति तक पहुँचाना उनका पहला कर्तव्य होगा। धन्यवाद एवं आभार कार्यक्रम में प्रियंका रावत ने ग्रामीणों की समस्याएँ सुनीं और उनके समाधान का भरोसा दिया। ग्रामीणों ने कहा कि अक्सर नेता चुनाव जीतने के बाद जनता से दूरी बना लेते हैं, लेकिन प्रियंका रावत जनता से निरंतर संवाद बनाए हुए हैं और यह एक अलग संदेश है। गाँव के बुजुर्गों ने उन्हें आशीर्वाद दिया, महिलाओं ने विकास से जुड़ी मांगें रखीं और युवाओं ने अपनी आकांक्षाएँ साझा कीं। ग्रामीणों ने कहा कि प्रियंका रावत केवल नाम की प्रतिनिधि नहीं, बल्कि सेवा और विकास की सच्ची भावना से काम कर रही हैं। आभार कार्यक्रम के दौरान मांगसिरी देवी (ग्राम प्रधान ठाण्डी), सरिता नेगी (ज्येष्ठ प्रमुख डुण्डा), भरत चौहान (ग्राम प्रधान कमद), आरती नेगी (क्षेत्र पंचायत सदस्य कमद) समेत स्थानीय जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

## एक नजर

### मोरी पुलिस और एसओजी की संयुक्त कार्रवाई, 466 ग्राम चरस के साथ व्यक्ति गिरफ्तार, एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज

संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह, उत्तरकाशी। ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के तहत नशा तस्करों के खिलाफ चल रहे अभियान में उत्तरकाशी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। शनिवार को थाना मोरी और एसओजी की संयुक्त टीम ने चैकिंग के दौरान एक व्यक्ति को 466 ग्राम चरस के साथ पकड़ा। बरामद नशीले पदार्थ की कीमत करीब 1 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी सरिता डोबाल के दिशा-निर्देशन और पुलिस उपाधीक्षक बड़कोट देवेंद्र सिंह नेगी की देखरेख में यह कार्रवाई की गई। मोरी थाना प्रभारी रणवीर सिंह चौहान और एसओजी प्रभारी प्रमोद उनियाल के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने यह सफलता हासिल की। जानकारी के अनुसार 6 सितंबर को त्यूणी रोड स्थित वाल्टी तप्पड़ के पास चैकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान खन्यासणी, तहसील मोरी निवासी पोती सिंह पुत्र जुबल सिंह की तलाशी ली गई। तलाशी में उसके कब्जे से 466 ग्राम अवैध चरस बरामद हुई। बरामदगी और गिरफ्तारी के आधार पर थाना मोरी में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस द्वारा पोती सिंह के आपराधिक इतिहास की जानकारी जुटाई जा रही है और अग्रिम कानूनी कार्यवाही जारी है। गिरफ्तार व्यक्तिः पोती सिंह पुत्र जुबल सिंह निवासी खन्यासणी, तहसील मोरी, उत्तरकाशी।बरामद मालः 466 ग्राम चरस (मूल्य लगभग 1 लाख रुपये)। पुलिस टीमः रणवीर सिंह चौहान, थानाध्यक्ष मोरी प्रमोद उनियाल, प्रभारी एसओजी हेड कांस्टेबल रघुवीर सिंह (एसओजी) हेड कांस्टेबल सूरज (एसओजी) कांस्टेबल अनिल (एसओजी) कांस्टेबल प्रमोद चौहान कांस्टेबल अनिल तोमर।

### हर्षिल क्षेत्र के किसानों को सरकार करेगी हरसम्भव मदद- कृषि मंत्री गणेश जोशी

पथ प्रवाह, देहरादून। प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी से आज उत्तरकाशी जनपद के उपला टकनौर क्षेत्र से जनप्रतिनिधियों के हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन लेकर सामाजिक कार्यकर्ता धर्मेंद्र रावत ने भेंट की। मुलाकात के दौरान उन्होंने हर्षिल घाटी के सेब उत्पादक किसानों की समस्याओं को रखते हुए सरकार से 2013 के तर्ज पर सेब की खरीद शीघ्र आरंभ करने की मांग की, ताकि किसानों को राहत मिल सके। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने तत्काल दूरभाष पर जिलाधिकारी उत्तरकाशी से वार्ता की और आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार किसानों के हितों के प्रति संवेदनशील है और शीघ्र ही सीमांत क्षेत्रों के सेब काश्तकारों की फसल की खरीद को लेकर उचित निर्णय लिया जाएगा।

# बड़कोट पुलिस ने 3 वर्षीय मासूम को सकुशल परिजनों के सुपुर्द कर लौटाई नन्हीं मुस्कान

**संवाददाता ठाकुर सुरेंद्र पाल सिंह**

बड़कोट/उत्तरकाशी। थाना बड़कोट पुलिस की तत्परता और महिला पुलिसकर्मी की संवेदनशीलता से रविवार को एक मासूम बच्चे की जिंदगी में फिर से मुस्कान लौट आई। यदि पुलिस समय रहते सक्रियता न दिखाती तो मासूम अथर्व (उम्र 3 वर्ष) के साथ कोई अनहोनी भी हो सकती थी। रविवार, 7 सितंबर 2025 को थाना बड़कोट पर नियुक्त पीआरडी जवान गुड्डी अपनी ड्यूटी पर थी। ड्यूटी के दौरान जब वह लक्ष्मी नारायण मंदिर के पास पहुँची तो उसकी नज़र एक छोटे से बच्चे पर पड़ी। मासूम अथर्व वहाँ अकेले और असहाय स्थिति में खड़ा था। बच्चे को अकेला देख महिला जवान तुरंत उसके पास पहुँची और उसे दुलारते हुए बातचीत करने लगी। लेकिन नन्हा बालक भयभीत था और अपने घर या परिजनों के बारे में कोई जानकारी नहीं दे पाया। स्थिति को गंभीर देखते हुए पीआरडी जवान गुड्डी बच्चे को सुरक्षित थाना बड़कोट लेकर पहुँची। यहाँ पुलिसकर्मियों ने सक्रियता दिखाते हुए आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई और अंततः अथर्व के परिजनों तक पहुँच बनाई। कुछ ही समय बाद पुलिस ने बच्चे के पिता को थाना बुलाया और मासूम को उनके सुपुर्द कर दिया। बच्चे को सकुशल देखकर परिजनों की आँखों में राहत के आँसू थे। बच्चे के पिता ने पुलिस का आभार जताते हुए बताया कि वे बड़कोट गांव के रहने वाले हैं। रात्रि में ड्यूटी करने के बाद उन्हें गहरी नींद आ गई थी और इसी दौरान बच्चा खेलते-खेलते घर से निकलकर बाजार की ओर चला गया। पिता ने कहा कि यह तो सौभाग्य रहा कि बच्चा सुरक्षित पुलिस के हाथों तक पहुँचा। अन्यथा बाजार क्षेत्र में वाहन, घोड़े, खच्चर, आवारा कुत्तों और अन्य जानवरों के बीच बच्चे के साथ कोई अप्रिय घटना घट सकती थी। थाना बड़कोट पुलिस ने परिजनों को भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही न बरतने की हिदायत दी और बच्चों की सुरक्षा को लेकर अधिक सतर्क रहने की अपील की। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की तत्परता और महिला पुलिसकर्मी के मानवीय व्यवहार की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस की संवेदनशीलता के चलते आज एक मासूम मुस्कान लौट आई है।

# संरक्षित खेती की तकनीक सीखेंगे अब प्रसार कार्यकर्ता

**जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ़**

पिथौरागढ़, 7 सितंबर। गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र, पिथौरागढ़ में रविवार को ÷संरक्षित सब्जियों की खेती÷ विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अभिषेक बहुगुणा ने की। प्रशिक्षण में कृषि एवं उद्यान विभाग के 27 प्रसार कार्यकर्ता/अधिकारी शामिल हुए। डॉ. बहुगुणा ने पॉलीहाउस, नेटहाउस और ग्लास हाउस में सब्जियों व फूलों की उन्नत खेती की जानकारी दी। उन्होंने ग्रीनहाउस में उत्पन्न गैसों से फसलों को बचाने और पॉलीहाउस के तापमान नियंत्रण की तकनीक पर विस्तार से प्रकाश डाला। डॉ. अलंकार सिंह ने प्राकृतिक खेती की विधियों पर मार्गदर्शन दिया। डॉ. महेंद्र सिंह ने कीट एवं रोग प्रबंधन की प्राकृतिक, जैविक और रासायनिक तकनीक बताई तथा मधुमक्खी पालन को सब्जी उत्पादकों के लिए अतिरिक्त लाभकारी बताया। गृह विज्ञान वैज्ञानिक डॉ. स्वाती गर्ब्याल ने सब्जियों के प्रसंस्करण और केंद्र की गतिविधियों की जानकारी दी। प्रशिक्षण में केंद्र के वैज्ञानिक विनय, संदीप, जीवन लाल व दीपक भी मौजूद रहे।

## एक नजर

### थाना जाजरदेवल पुलिस ने युवाओं को किया जागरूक

जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ़

पिथौरागढ़, 7 सितंबर। पिथौरागढ़ पुलिस द्वारा युवाओं के लिए लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक रेखा यादव के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी पिथौरागढ़ गोविन्द बल्लभ जोशी तथा क्षेत्राधिकारी धारचुला के.एस. रावत के पर्यवेक्षण में रविवार को थाना जाजरदेवल की ओर से विशेष अभियान चलाया गया। थानाध्यक्ष मनोज पाण्डे के नेतृत्व तथा चौकी प्रभारी वड्डा आशीष रावत के सहयोग से स्थानीय युवाओं को नशा, साइबर अपराध, डिजिटल ठगी और यातायात सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जागरूक किया गया।

**कार्यक्रम में युवाओं को बताया गया कि–**

नशे के दुष्प्रभावः नशा शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए घातक है। इससे बचने और लत छुड़ाने के उपाय बताए गए।

साइबर सुरक्षाः ऑनलाइन ठगी, हैकिंग, पहचान चोरी और साइबर बुलीइंग से बचने के तरीके समझाए गए।

डिजिटल गिरफ्तारी स्कैमः फर्जी गिरफ्तारी और ऑनलाइन वसूली जैसे बढ़ते धोखाधड़ी मामलों से सतर्क रहने की अपील की गई।

यातायात नियमः बिना हेलमेट ड्राइविंग, शराब पीकर गाड़ी चलाने और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन को दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बताते हुए युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया गया।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि इन अभियानों का उद्देश्य युवाओं को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करना है।

### ओडिशा छोड़कर दूसरे राज्यों में जा रही हैं प्रमुख उद्योग परियोजनाएं : बीजद

भुवनेश्वर। बीजू जनता दल (बीजद) ने भारतीय जनता पार्टी सरकार पर ओडिशा में प्रमुख उद्योगों को बनाए रखने में नाकामी का आरोप लगाते हुये कहा है कि बीजद शासन के दौरान रुचि दिखाने वाली कयी कंपनियां अब अपनी परियोजनाओं को अन्य राज्यों में स्थानांतरित कर रही हैं। बीजद नेताओं ने रविवार को कहा कि भाजपा सरकार दावा कर रही है कि प्रतिष्ठित उद्योग कंपनियां ओडिशा में निवेश के लिए आतुर हैं लेकिन वास्तविकता यह है कि जिन कंपनियों ने बीजद कार्यकाल के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, वे एक के बाद एक बाहर जा रही हैं।

# थाना जाजरदेवल पुलिस ने युवाओं को किया जागरूक

**जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ़**

पिथौरागढ़, 7 सितंबर। पिथौरागढ़ पुलिस द्वारा युवाओं के लिए लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। पुलिस अधीक्षक रेखा यादव के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी पिथौरागढ़ गोविन्द बल्लभ जोशी तथा क्षेत्राधिकारी धारचुला के.एस. रावत के पर्यवेक्षण में रविवार को थाना जाजरदेवल की ओर से विशेष अभियान चलाया गया। थानाध्यक्ष मनोज पाण्डे के नेतृत्व तथा चौकी प्रभारी वड्डा आशीष रावत के सहयोग से स्थानीय युवाओं को नशा, साइबर अपराध, डिजिटल ठगी और यातायात सुरक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर जागरूक किया गया।

**कार्यक्रम में युवाओं को बताया गया कि–**

**नशे के दुष्प्रभावः** नशा शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए घातक है। इससे बचने और लत छुड़ाने के उपाय बताए गए।

**साइबर सुरक्षाः** ऑनलाइन ठगी, हैकिंग, पहचान चोरी और साइबर बुलीइंग से बचने के तरीके समझाए गए।

**डिजिटल गिरफ्तारी स्कैमः** फर्जी गिरफ्तारी और ऑनलाइन वसूली जैसे बढ़ते धोखाधड़ी मामलों से सतर्क रहने की अपील की गई।

यातायात नियमः बिना हेलमेट ड्राइविंग, शराब पीकर गाड़ी चलाने और ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन को दुर्घटनाओं का बड़ा कारण बताते हुए युवाओं को जिम्मेदार नागरिक बनने का संदेश दिया गया।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि इन अभियानों का उद्देश्य युवाओं को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित करना है।

# 'सिंघानिया एजुकेशन कॉन्क्लेव 2025' में डॉ. किशोर कुमार पंत सम्मानित

जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ़

देहरादून, 7 सितंबर। राजपुर रोड स्थित होटल अकेता में सिंघानिया एजुकेशन कॉन्क्लेव, देहरादून 2025 का भव्य आयोजन हुआ। डिजिटल शिक्षा संवाद के अंतर्गत इस कॉन्क्लेव में उत्तराखंड की भौगोलिक एवं आर्थिक परिस्थितियों को देखते हुए विद्यालयों और विद्यार्थियों की शैक्षिक आवश्यकताओं पर गहन चर्चा हुई।

इस अवसर पर एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट स्कूल्स कमेटी, उत्तराखंड के अध्यक्ष डॉ. किशोर कुमार पंत ने कहा कि रोबोटिक्स और डिजिटल युग में शिक्षकों की भूमिका और अधिक महत्त्वपूर्ण हो गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के परिप्रेक्ष्य में बदलते शैक्षिक परिदृश्य को देखते हुए संस्थानों को अपनी जिम्मेदारियाँ गंभीरता से निभानी होंगी। कार्यक्रम में शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सिंघानिया एजुकेशन ग्रुप द्वारा डॉ. पंत (निदेशक, अभिलाषा समिति, पिथौरागढ़) को सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने के उपरांत डॉ. पंत ने आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह उनके लिए गर्व और प्रसन्नता का विषय है कि उन्हें इस महत्वपूर्ण शैक्षिक मंच पर सहभागिता का अवसर मिला। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह कॉन्क्लेव शिक्षा जगत को नए दृष्टिकोण, सकारात्मक संवाद और नवीन विचारधाराओं की दिशा प्रदान करेगा। इस अवसर पर उन्होंने एसोसिएशन ऑफ प्राइवेट स्कूल्स कमेटी, उत्तराखंड के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. समरजीत सिंह को भी धन्यवाद ज्ञापित किया और कहा कि ÷आप संगठन की नींव और रीढ़ हैं, तथा शिक्षा जैसे संवेदनशील विषय पर शैक्षणिक विमर्श कराने का प्रेरणादायक कार्य करते हैं। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर डॉ. पंत ने आयोजकों को शुभकामनाएँ दीं और कहा कि ऐसे आयोजन शिक्षा की गुणवत्ता और दिशा दोनों को सशक्त बनाते हैं।

# भारत रत्न गोविंद बल्लभ पंत जयंती पर होगा टेबल-टेनिस व क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन

**जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ़**

पिथौरागढ़, 7 सितंबर। भारत रत्न पं. गोविन्द बल्लभ पंत जी की जयंती पर जिले में खेलों की धूम मचने वाली है। खेल विभाग, पिथौरागढ़ द्वारा जिला स्तरीय टेबल-टेनिस प्रतियोगिता और क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन खेल निदेशालय उत्तराखंड, देहरादून के सौजन्य और जिला प्रशासन पिथौरागढ़ के दिशा-निर्देशन में किया जा रहा है। प्रतियोगिताएँ जिला टेबल-टेनिस संघ एवं एथलेटिक्स पिथौरागढ़ के सहयोग से आयोजित होंगी।

### टेबल-टेनिस प्रतियोगिता

टेबल-टेनिस मुक़ाबले 8 से 10 सितंबर 2025 तक होंगे। इसमें अंडर-11, अंडर-13, अंडर-15, अंडर-17 और ओपन बालक-बालिका वर्ग शामिल होंगे।

पंजीकरण के लिए ललित मोहन जोशी (मो. 9873718659) से संपर्क किया जा सकता है।

### क्रॉस कंट्री दौड़

क्रॉस कंट्री दौड़ का आयोजन 10 सितंबर 2025 को सुरेन्द्र सिंह वल्दिया स्पोर्ट्स स्टेडियम, पिथौरागढ़ में होगा। इसमें अंडर-14 (बालक-बालिका), अंडर-18 (बालक वर्ग) और ओपन (बालक-बालिका वर्ग) प्रतियोगिताएँ होंगी। पंजीकरण के लिए भावेश भट्ट (मो. 8057718705) से संपर्क किया जा सकता है।

### नियम और पुरस्कार

प्रतियोगिताओं में प्रवेश निःशुल्क रहेगा। आयु की पुष्टि हेतु प्रधानाचार्य द्वारा जारी जन्मतिथि प्रमाण पत्र एवं आधार कार्ड की स्वप्रमाणित प्रति अनिवार्य होगी।

टेबल-टेनिस में प्रत्येक वर्ग के प्रथम, द्वितीय और तृतीय तथा क्रॉस कंट्री दौड़ में प्रथम से षष्ठम स्थान तक आने वाले खिलाड़ियों को पंत स्मारक में मुख्य अतिथि द्वारा आकर्षक पुरस्कार और प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

# पुलिस कप्तान अजय सिंह की पुलिस टीम ने 24 घंटे में बरामद किए दो नाबालिग बच्चे

**पथ प्रवाह, संवाददाता**

महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के प्रति संवेदनशील दून पुलिस ने एक बार फिर त्वरित कार्रवाई करते हुए सराहनीय कार्य किया है। ट्यूशन जाने निकले दो नाबालिग बच्चे मात्र 24 घंटे के भीतर पुलिस की सक्रियता से सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंप दिए गए।

### घटना और कार्रवाई

दिनांक 6 सितंबर को विकासनगर निवासी व्यक्ति ने चौकी बाज़ार पर सूचना दी कि उसके 12 और 14 वर्षीय दो भांजे ट्यूशन के लिए निकले थे, लेकिन देर रात तक घर नहीं लौटे। सूचना मिलते ही कोतवाली विकासनगर में मुकदमा दर्ज कर एसएसपी देहरादून रेखा यादव के निर्देश पर बच्चों की तलाश हेतु चार अलग-अलग पुलिस टीमों का गठन किया गया।

पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कदम उठाए। सभी थानों व चौकियों को अलर्ट किया गया, बच्चों की तस्वीरें सोशल मीडिया और अन्य जनपदों के साथ साझा की गईं। पुलिस टीमों ने लगभग 200 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और संभावित स्थानों पर लगातार तलाश की। बच्चों के ट्यूशन सेंटर, मित्रों और सहपाठियों से भी जानकारी जुटाई गई।

### सफलता और खुलासा

लगातार प्रयासों के बाद 7 सितंबर को पुलिस ने दोनों बच्चों को उनके दोस्त के जीवंगढ़ स्थित घर से सकुशल बरामद कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि ट्यूशन न जाने पर पिता की डांट से डरकर दोनों अपने दोस्त के घर चले गए थे और वहीं रुक गए।

### पुलिस की सराहना

24 घंटे के भीतर बच्चों को सकुशल बरामद कर सौंपे जाने पर परिजनों ने दून पुलिस की तत्परता, जन सुरक्षा और संवेदनशीलता की भूरी-भूरी प्रशंसा की।

पुलिस टीम

1. उपनिरीक्षक संदीप कुमार, चौकी प्रभारी बाज़ार
2. कांस्टेबल अजय रावत
3. कांस्टेबल पवन बिष्ट
4. कांस्टेबल रजनीश कुमार
5. कांस्टेबल बृजपाल

## एक नजर

### गृह मंत्रालय की एक टीम का आज कश्मीर दौरा

श्रीनगर। गृह मंत्रालय की एक टीम हाल ही में हुयी भारी बारिश से कश्मीर घाटी के कुछ हिस्सों में आयी बाढ़ से हुये नुकसान का आकलन करने के लिए रविवार को पहुँच रही है।अधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी है। यह टीम प्रभावित इलाकों का मौके पर जाकर आकलन करेगी और राहत एवं पुनर्वास उपायों की समीक्षा करने के लिये स्थानीय अधिकारियों के साथ बातचीत करेगी। पिछले एक हफ्ते से झेलम नदी के उफान पर आने से दक्षिण और मध्य कश्मीर के कई हिस्से जलमग्न हो गये थे, जिससे घरों, बुनियादी ढाँचे और खड़ी फसलों को नुकसान पहुँचा था। घाटी में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन बाढ़ ने कृषि और बागवानी, खासकर धान के खेतों और सेब के बागों को भारी नुकसान पहुँचाया है। यह टीम पहले ही सबसे ज़्यादा प्रभावित जम्मू के बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा कर चुका है। जम्मू -कश्मीर पिछले एक महीने से प्रतिकूल मौसम की मार झेल रहा है, जिसका सबसे ज़्यादा असर जम्मू पर पड़ रहा है। अचानक आयी बाढ़ और भूस्खलन में लगभग 150 लोगों की जान चली गयी है और श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग सहित कई प्रमुख सड़कें अवरुद्ध होने की वजह से संपर्क तथा राहत कार्य बाधित हो रहे हैं। अधिकारियों ने बताया, ÷केंद्रीय दल का यह हालिया दौरा नुकसान की गंभीरता का आकलन करने और केंद्र शासित प्रदेश में राहत कार्यों के लिए अतिरिक्त सहायता पर विचार करने के प्रयासों का हिस्सा है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और कई राजनीतिक नेताओं ने केंद्र से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के लिए राहत पैकेज की मांग की है।

### कांग्रेस को अभी लोकतंत्र के बारे बहुत कुछ सीखना हैं-पूनियां

जोधपुर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं भाजपा हरियाणा प्रभारी डा सतीश पूनियां ने कांग्रेस को लोकतंत्र के बारे में और सीखने एवं नैतिक प्रशिक्षण लेने की जरुरत बताते हुए कहा है कि उसके नेता सत्ता से हटते ही मानसिक रूप से इतने विचलित हो जाते हैं कि विपक्ष की भूमिका के बारे में भी उन्हें कोई संज्ञान नहीं है। डा पूनियां ने अपने जोधपुर दौरे के दौरान मीडिया से बातचीत में यह बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भले ही सबसे पुरानी पार्टियों में से एक हो, लेकिन उसे अभी भी देश के लोकतंत्र के बारे में बहुत कुछ सीखना है। इसके नेता सत्ता से हटते ही मानसिक रूप से इतने विचलित होते हैं कि विपक्ष की भूमिका के बारे में भी उन्हें कोई संज्ञान नहीं है। इसके लिए कांग्रेस नेतृत्व दोषी है। उन्होंने कहा कि वे सत्ता के बिना नहीं रह सकते है और एक रचनात्मक विपक्ष किसी भी देश के लोकतंत्र की ताकत होता हैं लेकिन आज की राहुल गांधी कांग्रेस ने उस युग धर्म को भुला दिया हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को नैतिक प्रशिक्षण की जरुरत हैं कि विपक्ष में और देश के प्रति मुद्दों को सकारात्मक रुप से कैसे रखे और सदन की गरिमा को कैसे बनाये रखे।

# प्रधानमंत्री के 75वें जन्मदिन पर 75 स्थानों पर 'नमो युवा रन' का होगा आयोजन

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75 वें जन्मदिन के मौके पर 17 सितंबर को देशभर में 75 स्थानों पर 'नशा मुक्त भारत' के लिए भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) द्वारा 'नमो युवा रन' का आयोजन किया जाएगा।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया और भाजयुमो अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मुख्यालय में इसकी घोषणा की। इस अवसर पर तेजस्वी सूर्या ने बताया कि फिटनेस के प्रतीक के तौर पर पहचाने जाने वाले मॉडल, एक्टर मिलिंद सोमण नमो युवा रन के ब्रांड एंबेसडर होंगे। इस अवसर पर नमो युवा रन की टी शर्ट और एप भी लॉन्च किया गया। सूर्या ने बताया कि भाजयुमो प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर 17 सितंबर को भाजयुमो देश के 75 स्थानों पर नमो युवा रन आयोजित कर रही है। जिसमें हर स्थान पर करीब 10,000 युवा के भाग लेंगे। उन्होंने कहा कि एक अनुमान के मुताबिक %नमो युवा रन% में 10 लाख से अधिक युवा भाग लेंगे। जो देश के इतिहास की सर्वाधिक भागीदारी वाली

दौड़ होगा। 17 सितंबर को सुबह 7 बजे 75 स्थानों पर 'नशा मुक्त भारत' संकल्प के लिए एक साथ ये दौड़ शुरु होगी। सूर्या ने कहा कि पीएम मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में देश में नशे के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले 10 साल में 24 लाख किलो से अधिक नशे का सामान जब्त किया गया है। इस अवसर पर श्री मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने 11 साल के कार्यकाल में देश को बहुत कुछ दिया है इसी कड़ी में जीएसटी सुधार देश के लिए उपहार है। उनके नेतृत्व में आज देश तरक्की कर रहा है, देश आगे बढ़ रहा है और नए भारत का निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी के जन्मदिन पर 17 सितंबर से लेकर दो अक्टूबर तक, भाजपा 15 दिनों तक %सेवा पखवाड़ा% मनाती है। श्री मांडविया ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त को लाल किले से कहा था कि देश आजादी के लिए बड़ी संख्या में युवाओं ने अपने प्राणों का बलिदान दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 11 साल के कार्यकाल में टैक्स लगातार घटता रहा और देश का बजट दिनों-दिन बढ़ता गया। श्री मंडाविया ने कहा कि आज देश का बजट 51 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गया। उन्होंने सभी लोगों से स्वदेशी और नमो युवा रन से जुड़ने की अपील की। इस अवसर पर नमो युवा रन के ब्रांड एंबेसडर मिलिंद सोमण ने कहा कि वह मोदी जी के फिटनेस के बहुत बड़े फैन हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ मशल्स या बॉडी बना लेना ही फिटनेस नहीं है बल्कि दैनिक जीवन के काम के साथ शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी ने इस तरह के स्वास्थ्य जागरूकता के कार्यक्रम के लिए लगातार जोर दिया है।

# आरएसएस की समन्वय बैठक के तीन दिनो में कई मुद्दों पर हुई चर्चा

जोधपुर। राजस्थान के जोधपुर में चल रही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तीन दिवसीय अखिल भारतीय समन्वय बैठक में संघ एवं संघ से प्रेरित विभिन्न संगठनों ने शिक्षा, महिला एवं वर्तमान परिस्थिति सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गयी है।

बैठक के तीसरे एवं आखिरी दिन रविवार को संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने यहां प्रेस वार्ता में बैठक के बारे जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान के संघ एवं इससे प्रेरित संगठनों के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संगठन मंत्री आदि ने शिक्षा , महिला, जनजाति, भाषा, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, जम्मू कश्मीर, पंजाब, राजस्थान सहित देश के अन्य राज्यों जहां भारी वर्षा से बाढ़ एवं अतिवृष्टि के उत्पन्न हालात तथा अन्य कई मुद्दों पर चर्चा की गयी।

बैठक में मुद्दों पर चर्चा और इन विषयों पर इन संगठनों द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में जानकारी भी दी गई। बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बारे में चर्चा हुई और इस पर भी विभिन्न संगठनों ने अपनी राय प्रकट की और यह आकलन दिया गया कि शिक्षा नीति अच्छी दिशा में जा रही है और इस पर अच्छा काम हो रहा है। विद्या भारती सहित शिक्षा के क्षेत्र में

काम करने वाले कई संगठन शिक्षा नीति को केन्द्र एवं राज्य में अच्छी तरह लागू हो और इसके लिए शिक्षा संस्थानों में कार्यक्रम भी आयोजित किये गये।

बैठक में पंजाब की परिस्थिति के बारे में भी चर्चा हुई और नशा की बढ़ती प्रवृत्ति से युवाओं में दुष्परिणाम पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई और युवाओं को समझाने के लिए विभिन्न संगठनों द्वारा अभियान चला कर किये जा रहे प्रयासों के बारे में भी जानकारी दी गई। पश्चिम बंगाल में घुसपैठ को लेकर चिंता व्यक्त की कि घुसपैठ कर उपद्रव किए जा रहे है जिन्हें तुरंत रोकना आवश्यक है। वहां कानून व्यवस्था का भी प्रश्न आ रहा है जिस पर चिंता व्यक्त की गई। वहां विभिन्न संगठन काम कर रहे हैं और कानून के हिसाब से जो प्रयास किए गए, उन चर्चा हुई।

बैठक में जम्मू कश्मीर, पंजाब, राजस्थान सहित देश के अन्य राज्यों जहां भारी वर्षा से बाढ़ एवं अतिवृष्टि के उत्पन्न हालात पर चर्चा हुई और बताया गया कि सेवाभारती सहित सभी लोग अतिवृष्टि प्रभावित क्षेत्रों में सहायता करने का प्रयास कर रहे हैं और स्वयं सेवक भी जुटे हुए हैं।

उन्होंने बताया कि बैठक में महिला की समाज में विभिन्न स्तर पर बढ़ती भागीदारी के बारे में भी चर्चा हुई और विभिन्न संगठनों ने महिलाओं की बढ़ती सहभागिता और उसके बारे में चल रहे प्रयासों के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि संघ के क्रीडा भारती संस्थान ने महिला खिलाड़ियों को लेकर अध्ययन किया और जिसमें उनकी समस्याओं आदि का अध्ययन किया गया तथा समस्याओं के समाधान के लए भी आगे काम किया जायेगा।

ऐतिहासिक ऑपरेशन सिंदूर के बाद देश भक्ति के लिए सैंकड़ों कार्यक्रमों का आयोजन हुआ जिसमें विशेष रुप से महिलाओं की सहभागिता रही। इस प्रकार देश के विभिन्न क्षेत्रों में सभी जगह महिलाओं की सहभागिता बढ़ रही है।

स्वामी/प्रकाशक **वीरेन्द्र सिंह** ने मुद्रक **प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)** से मुद्रित कराकर, **मुख्य कार्यालय: 41, शांतिपुरम, जगजीपुर, कनखल, हरिद्वार पिन–249408 (उत्तराखण्ड)** से प्रकाशित किया। **वीरेन्द्र सिंह** (सम्पादक) 9411111733, **सुरेन्द्र पाल सिंह** (ब्यूरो चीफ, उत्तरकाशी) 7376757899 वेबसाई– www.pathpravah.com